



आज़ादी का अमृत महोत्सव

समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

https://epaper.tamsasanket.com

विशेष समाचार

बढ़ते अपराध और ...

>> पेज 04

अस्पताल में घुसकर महिला ..

>>पेज 06

बेटी को अपनी तरह नहीं ...

>> डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम

सूर्योदय: 05:21

सूर्यास्त: 06:44

अधिकतम: 37^०00

न्यूनतम: 27^०00

काशी विश्वनाथ में ओम जाप किया, गुजराती महिलाओं ने लगाए नारे-वोट फॉर भाई साहब

‘सनातन को मिटाने वाले मिट्टी में मिले’

कार्यक्रम

- राज्यपाल और सीएम ने सोमनाथ मंदिर के 75 वर्ष पूरे होने पर काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर के मल्टीपरपज हॉल में प्रदर्शनी देखी।
- आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर के वैभव को खंडित करने का प्रयास किया

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । काशी में सीएम योगी ने सोमवार को कहा- जिन्होंने सनातन को मिटाने का प्रयास किया, आज वे खुद मिट्टी में मिल चुके हैं। मुहम्मद गौरी और औरंगजेब जैसे आक्रांताओं का अब कोई नाम लेने वाला नहीं है। सोमनाथ और काशी दोनों हमें इतिहास से संदेश देते हैं कि सनातन संस्कृति पर आक्रमण हो सकते हैं, लेकिन उसे पराजित नहीं



राज्यपाल और सीएम ने सोमनाथ मंदिर के 75 वर्ष पूरे होने पर काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर के मल्टीपरपज हॉल में प्रदर्शनी देखी।

गुजरात से काशी पहुंची महिलाओं ने वोट फार भाईसाहब के नारे लगाए। उन्होंने के सोमवार के 75 वर्ष पूरे होने की बहुत खुशी हो रही है।

किया जा सकता। विनाश क्षणिक होता है, जबकि सृजन शाश्वत होता है।

>> (शेष पेज 06 पर)

पहले भारतीयता और सनातन परंपरा को लेकर वैसी सोच नहीं थी

सीएम योगी ने कहा कि आजादी के बाद एक समय ऐसा भी था, जब भारत अपनी सनातन परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को मजबूती से आगे बढ़ा सकता था। लेकिन उस दौर में भारत, भारतीयता और सनातन परंपरा को लेकर वैसी सोच नहीं थी, जो देश के आत्मसम्मान को दोबारा स्थापित कर सके। उन्होंने कहा कि आज पीएम मोदी

के मजबूत नेतृत्व में देश को नई दिशा मिली है। इसका नतीजा यह है कि आज हम उन परंपराओं और मूल्यों को फिर से सम्मान दिला पा रहे हैं, जिन्हें करीब एक हजार साल पहले विदेशी आक्रांताओं ने नष्ट करने की कोशिश की थी। सोमनाथ महादेव के पुनर्प्रतिष्ठा के 75 साल पूरे होने के मौके पर काशी विश्वनाथ में इसका उदाहरण देखने को मिल रहा है।

शाश्वत के प्रतीक हैं भारत के देवस्थल

सीएम ने कहा- तत्कालीन सरकार के विरोध के बावजूद भारत के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद गुजरात गए। उन्होंने कहा था कि भौतिक वस्तुओं को कुछ समय के लिए क्षतिग्रस्त और विखंडित किया जा सकता है, लेकिन आक्रांता यह भूल गए कि भारत की आत्मा अजर और अमर है। उसी शाश्वत का प्रतीक हैं भारत के देवस्थल।



देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं: राहुल गांधी

राहुल ने पीएम मोदी को कम्प्रोमाइज्ड पीएम बताया

पलटवार

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । राहुल गांधी ने सोमवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से निपटने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की हालिया 'सात अपीलों' पर पलटवार किया। उन्होंने इसे नाकामी करार दिया। कहा कि अब देश चलाना प्रधानमंत्री के बस में नहीं रह गया है।

X पर एक पोस्ट में राहुल ने लिखा, 'कल मोदी जी ने जनता से त्याग मांगा। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का उपयोग घटाओ, मेट्रो से चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं।' उन्होंने कहा, '12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है।

सोना न खरीदें, विदेश न जाएं जैसी 7 अपीलें उपदेश नहीं, नाकामी के सबूत -राहुल गांधी

चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं।' उन्होंने कहा, '12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

नारेबाजी : टांडा विधानसभा की महिलाओं ने किया विरोध, कई महिला कार्यकर्ता रहीं मौजूद

महिला आरक्षण को लेकर सपा सांसद के घर के बाहर प्रदर्शन

- उधर सपा सांसद लालजी वर्मा ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अपनी अनुपस्थिति में हुए प्रदर्शन पर हैरानी जताई और भाजपा पर दोहरे चरित्र का आरोप लगाया।

बुजेंद्र वीर सिंह

अम्बेडकरनगर। महिला आरक्षण मुद्दे को लेकर सोमवार को टांडा विधानसभा क्षेत्र की महिलाओं ने सपा सांसद लालजी वर्मा के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में



बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। महिलाओं ने नारेबाजी करते हुए महिला आरक्षण के समर्थन में अपनी आवाज उठाई।

प्रदर्शन इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र के मोहिउद्दीनपुर गांव के बाहर

आयोजित किया गया। दोपहर करीब साढ़े 11 बजे महिलाएं बैनर और पोस्टर लेकर एकत्रित हुईं और सांसद आवास के बाहर तक पहुंचीं। इस दौरान "महिलाओं को सम्मान चाहिए" जैसे नारे लगाए



चार दिनों तक चलेगा कार्यक्रम

जानकारी के अनुसार जिले की पांचों विधानसभा क्षेत्रों की महिलाओं को और से यह कार्यक्रम अगले चार दिनों तक अलग-अलग स्थानों पर जारी रहेगा। सोमवार को टांडा विधानसभा क्षेत्र की महिलाओं ने प्रदर्शन किया। कार्यक्रम

गए। भाजपा मंडल अध्यक्ष तेजस्वी जायसवाल ने कहा कि यह प्रदर्शन किसी राजनीतिक दल के बैनर तले

का नेतृत्व भाजपा महिला नेत्री विद्यावती राजभर ने किया। प्रदर्शन में लता श्रीवास्तव, सुमन गुप्ता, भावना चौरसिया, बबिता चौरसिया, तारा देवी, नीतू तिवारी और सोनम सिंह समेत कई महिलाएं मौजूद रहीं।

नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और नारी शक्ति वंदन के समर्थन में किया जा रहा है। >> (शेष पेज 06 पर)

डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान का जंग रोकने का प्रस्ताव दुकराया

अमेरिका ने एनरिच्ड यूरेनियम सौंपने की शर्त रखी

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वाशिंगटन डीसी । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के नए शांति प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ट्रम्प ने टूथ सोशल पर लिखा, 'मैंने ईरान के प्रतिनिधियों का जवाब पढ़ा। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसे स्वीकर नहीं किया जा सकता। इससे पहले भी ट्रम्प ने ईरान पर खेल खेलने का आरोप लगाया था।



ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, तेहरान ने रविवार को पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को अपना नया प्रस्ताव भेजा।

>> (शेष पेज 06 पर)

कहा- यहां जीत का अंतर एसआईआर में कटे वोटों से कम

टीएमसी 31 सीटों के नतीजों के खिलाफ पहुंची सुप्रीम कोर्ट

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/कोलकाता । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा, 'बंगाल में सीटों पर जीत का अंतर SIIR में कटे वोटों से कम मामले में ममता बनर्जी और अन्य लोग नई याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं।' TMC ने दावा किया कि हालिया विधानसभा चुनाव में 31 सीटों पर जीत का अंतर, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के दौरान हटाए गए वोटों की संख्या से कम था। दरअसल, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची की बेंच बंगाल में SIIR को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इसी दौरान TMC संसद और वकील कल्याण बनर्जी ने बागची की उस टिप्पणी का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि अगर जीत का अंतर हटाए गए वोटों से कम है, तो अदालत शिकायतों पर विचार कर सकती है।

>> (शेष पेज 06 पर)



बंगाल में 30 हजार से कम मार्जिन पर जीत वाली 176 सीटों में भाजपा की 128 सीटें हैं। वहीं, 30 हजार से ज्यादा मार्जिन पर जीत वाली 117 सीटों में भाजपा की 79 सीटें हैं। तुणमूल की 44 सीटों पर जीत का मार्जिन 30 हजार से कम और 36 सीटों पर 30 हजार से अधिक रहा है।

भाजपा को बंगाल में 207 सीटें मिलीं

हाल में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 294 में से 207 सीटें जीतीं हैं, जबकि TMC को 80 सीटें मिली हैं। इन चुनावों में राज्य में 90% से ज्यादा वोटिंग दर्ज की गई। भाजपा को कुल 2 करोड़ 92 लाख 24 हजार 804 वोट मिले हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)



फास्ट न्यूज

पंजाब भाजपा के 2 ऑफिसों पर हमला

मोहाली। पंजाब में सोमवार को भाजपा के दो ऑफिसों में हंगामा और तोड़फोड़ हुई। मोहाली के जीरकपुर में 5 नकाबपोश युवक भाजपा ऑफिस में घुस गए और दीवारों व पोस्टरों पर इंक फैककर हंगामा किया। आरोप है कि युवकों ने भाजपा नेता मुद्दर्शन सेनी को तस्वीर पर भी इंक फेंकी।

बदलाव

योजना

देश में 1 जुलाई से वी वी-जी राम जी लागू

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि नया विकसित भारत गांठी फंड रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी VB-G RAM G, 1 जुलाई से पूरे देश में लागू होगा। इसके साथ ही महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट एक्ट को खत्म कर दिया जाएगा। ग्रामीण विकास मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक, यह नया कानून सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू होगा। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि इस बदलाव से मजदूरों के काम पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ट्रांजिशन पूरी तरह बिना रुकावट के होगा और किसी को रोजगार से वंचित नहीं किया जाएगा।

राजस्थान का बाड़मेर देश में सबसे गर्म, पारा 46.8 डिग्री सेल्सियस

भोपाल। भीषण गर्मी के बीच हनुमानगढ़ में सोमवार सुबह बारिश हुई। सुबह 6:45 बजे बारिश शुरू हुई, जो 1 घंटे तक जारी रही। वहीं शाम को श्रीगंगा-नगर के विजयनगर में बारिश के साथ ओले गिरे। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों को गर्मी से राहत मिली। राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में हीटवेव जारी है।

डिजिटल टेक्नोलॉजी ने अब इतना कुछ आसान बना दिया है कि टेक्नोलॉजी की मदद भी हमारे लिए बहुत फायदेमंद होगी। ये जरूरी है कि सरकारी और प्राइवेट दोनों ही दफ्तरों में वर्चुअल मिटिंग्स और वर्क फ्रॉम होम की प्राथमिकता दी जाए।

जब तक हालात सामान्य न हो, हम सोने की खरीद को टालें

पीएम ने कहा कि सोने की आयात पर भी देश का बहुत बड़ा पैसा विदेश जाता है। इसलिए, मैं आप सभी से, देशवासियों से आग्रह करूंगा कि जब तक हालात सामान्य न हो, हम सोने की खरीद को टालें। >> (शेष पेज 06 पर)

सुवेंदु कैबिनेट में हुआ विभागों का बंटवारा

सुवेंदु मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल चुके

वितरण

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने मंत्रियों के विभागों का बंटवारा कर दिया है। दिलीप घोष को पंचायत व ग्रामीण विकास और कृषि विपणन, अग्निमित्रा पाल को नगर विकास और नारी व शिशु कल्याण विभाग, अशोक कीर्तनिया को खाद्य विभाग, खुधीराम टंडू को आदिवासी विकास विभाग और निशिति प्रामाणिक को उत्तर बंगाल विकास विभाग और खेल व युवा कल्याण विभाग दिया गया है। सुवेंदु अधिकारी बंगाल के मुख्यमंत्री के



दिलीप घोष को पंचायत और अग्निमित्रा पॉल को नगर विकास जिम्मेदारी

रूप में कार्यभार संभाल चुके हैं। उनके साथ पांच मंत्रियों को विभाग भी आवंटित कर दिया गया। अभी मंत्रिमंडल का विस्तार होना बाकी है। परंतु, राज्य का अगला वित्त मंत्री सुवेंदु अधिकारी किसे बनाएंगे, इसे लेकर चर्चा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

‘योगी सरकार में उच्च शिक्षा को नई उड़ान’

डिग्री कॉलेज के प्रिंसिपल्स की कार्यशाला आयोजित कर उन्हें रैंकिंग प्राप्त करने के लिए किया जा रहा प्रोत्साहित

तैयारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में योगी सरकार लगातार नए मानक स्थापित कर रही है। कभी नैक (नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल) की रैंकिंग में बी और बी-प्लस ग्रेड तक सीमित रहने वाले प्रदेश के विश्वविद्यालय आज ए++, ए+ और ए ग्रेड हासिल कर देशभर में अपनी नई पहचान बना रहे हैं। अब योगी सरकार का अगला लक्ष्य प्रदेश के डिग्री कॉलेजों को भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग दिलाना है। इसके लिए डिग्री कॉलेज के प्रिंसिपल्स की कार्यशाला का आयोजन कर उन्हें रैंकिंग प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

फास्ट न्यूज

शादी के ढाई महीने बाद महिला ने लगाई फांसी

लखनऊ। लखनऊ के वजीरगंज थाना क्षेत्र में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। ढाई महीने पहले कपड़ा कारोबारी से शादी हुई थी। इसके बाद से ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे थे। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की पहचान रकाबागंज वजीरगंज निवासी पंकी शर्मा (25) पति अंकित शर्मा के रूप में हुई।

शोएब ने सौरभ बनकर हिंदू लड़की से दोस्ती की

लखनऊ। लखनऊ के सैरपुर थाना क्षेत्र में मुस्लिम युवक पर हिंदू लड़की का धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मुस्लिम युवक ने हिंदू बनकर इंस्टाग्राम के जरिए 15 साल की हिंदू लड़की से दोस्ती की। उसके साथ छेड़छाड़ करके अश्लील फोटो-वीडियो बनाए। उसके बाद धर्मांतरण का दबाव बनाया। धर्मांतरण न करने पर उसने लड़की के अश्लील फोटो-वीडियो वायरल कर दिए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ FIR दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान शोएब अख्तर पुत्र सुबराती के रूप में हुई है।

बाइक हटाने के लिए बोलने पर फायरिंग

लखनऊ। लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में मामूली विवाद के बाद फायरिंग का मामला सामने आया है। आरोप है कि नशे में धुत युवक ने पड़ोसी पर कई राउंड फायरिंग कर दी। पीड़ित ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बालागंज के एकता नगर निवासी अभय सिंह राठौर ने बताया वह रविवार देर रात अपने दोस्त के घर गोडा से वापस लौट रहे थे।

वारदात : रॉड से ताबड़तोड़ वार किए, बचाने आए युवक को भी पीटा, घायल युवक रज्जन का उपचार चल रहा

सुबह-सुबह शराब न देने पर सेल्समैन की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में शराब ठेका के सेल्समैन की लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि एक व्यक्ति ने ठेका खलने से पहले सेल्समैन से शराब मांगी। सेल्समैन ने मना किया, तो लोहे की रॉड से पीट-पीटकर उसको मार डाला। बीच-बचाव करने आए युवक को भी पीट दिया। घटना का एक्सक्लूसिव CCTV फुटेज मिला है। उसमें दिख रहा है कि आरोपी रॉड से सेल्समैन को पीटा है। उसके बाद रॉड लहराते हुए फरार हो जाता है। घटना सोमवार सुबह 8:30 बजे मल्लहाबाद थाना क्षेत्र के डेडैमक



यूनिवर्सिटी की तर्ज पर अब डिग्री कॉलेजों को भी मिलेगी राष्ट्रीय रैंकिंग प्रदेश के विश्वविद्यालयों ने बदली पहचान, अब कॉलेजों को उत्कृष्ट बनाने की तैयारी संस्थानों में गुणवत्ता सुधार, रिसर्च कल्चर, डिजिटल एजुकेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर और छात्र सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने विधानसभा में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अब सरकार का फोकस केवल विश्वविद्यालयों तक सीमित नहीं रहेगा। आगे चरण में प्रदेश के डिग्री कॉलेजों को भी नैक और अन्य राष्ट्रीय रैंकिंग दिलाने का

लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए कॉलेजों के प्राचार्यों और शिक्षकों के लिए विशेष कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें उन्हें बताया जा रहा है कि संस्थानों में गुणवत्ता सुधार, रिसर्च कल्चर, डिजिटल एजुकेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर और छात्र सुविधाओं

को बेहतर बनाकर किस प्रकार रैंकिंग हासिल की जा सकती है। इन कार्यशालाओं में विश्वविद्यालयों को गुणवत्ता सुधार, शोध, डिजिटल संसाधनों, शिक्षण व्यवस्था और अकादमिक वातावरण को बेहतर बनाने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए।

रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि कॉलेजों में छात्र संख्या बढ़ाने, नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम विकसित करने और रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। योगी सरकार का उद्देश्य प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना है।

उच्च शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने कहा कि योगी सरकार आने से पहले उत्तर प्रदेश के अधिकांश विश्वविद्यालय नैक रैंकिंग में बी या बी-प्लस ग्रेड तक ही सीमित थे और प्रवेश का कोई भी विश्वविद्यालय ए या उससे ऊपर की श्रेणी में नहीं था। उन्होंने बताया कि राज्यपाल एवं विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के नेतृत्व में विश्वविद्यालयों के लिए विशेष कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

नाम के आगे महाराज लिखने पर बीजेपी नेता को मारी गोली

सालभर पहले लखनऊ में चाकू से किया था हमला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में भाजपा नेता चेतन तिवारी गोलीकांड में चौकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस की पूछताछ में पता चला है कि मुख्य आरोपी वैभव बाजपेई 3 साल पहले तक चेतन का अच्छा दोस्त था। 3 साल पहले चेतन ने अपने नाम के आगे महाराज लिखना शुरू कर दिया। वैभव ने इसका विरोध किया।

वैभव का कहना था कि उसके बाबा पुत्तन बाजपेई को लोगों ने सम्मानपूर्वक महाराज की उपाधि दी थी। वैभव के मना करने के बाद भी चेतन ने अपने नाम के आगे से महाराज लिखना नहीं बंद किया। इससे दोनों की दोस्ती दुश्मनी में बदल गई।

हालांकि, पुलिस ने वैभव को जेल भेज दिया है। चेतन के परिजनों ने पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि वैभव



ने चेतन पर एक साल पहले जानलेवा हमला किया था। उसकी रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, लेकिन उसकी रसूख की वजह से मामले में ठोस कार्रवाई नहीं हुई थी। इसकी वजह से अब यह घटना हो गई।

वैभव ने पुलिस की पूछताछ में बताया- 2023 तक मेरी और चेतन की गहरी दोस्ती थी। नाम के आगे महाराज लिखने के विवाद से दोस्ती दुश्मनी में बदल गई। इस दुरुस्ती 2024 में चेतन ने मेरे और परिवार के सदस्यों के खिलाफ 2 एफआईआर दर्ज कराई। इसके बाद से दुश्मनी और गहरी हो गई

‘हर पीड़ित को न्याय और हर पात्र को योजनाओं का लाभ दिलाना सरकार की प्राथमिकता’

जनता दर्शन में केशव मौर्य ने सुनी जन समस्याएं

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैप कार्यालय, 7-कालिदास मार्ग, लखनऊ में आयोजित ‘जनता दर्शन’ कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित, प्रभावी एवं संतोषजनक निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनता दर्शन में बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं, बुजुर्ग, दिव्यांगजन एवं युवा उपस्थित रहे। लोगों ने भूमि विवाद, राजस्व प्रकरण, चिकित्सा सहायता, पेंशन, आवास, सड़क, बिजली-पानी, पुलिस कार्रवाई, शिक्षा एवं रोजगार से जुड़ी समस्याएं उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। उप



मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार अधिकारी मौके पर जाकर निरीक्षण करें तथा पीड़ितों को समयबद्ध राहत उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि ‘जनता दर्शन’ सरकार और आमजन के बीच सीधे संवाद का प्रभावी माध्यम है, जिससे वास्तविक समस्याओं की जानकारी मिलती है और उनका त्वरित समाधान संभव हो पाता है। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिक

अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश



मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार जनहित और सुशासन के संकल्प के साथ कार्य कर रही है तथा हर पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कोई भी फरियादी निराश नहीं लौटेगा और प्रत्येक समस्या का हरसंभव समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

रिक्तता न रहे, बल्कि ऐसा समाधान किया जाए, जिससे पीड़ित व्यक्ति पूरी तरह संतुष्ट हो तथा उसे बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगजनों एवं कमजोर वर्गों से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। भूमि विवाद एवं अवैध

कब्जों से संबंधित मामलों को गंभीरता से लेते हुए श्री मौर्य ने संबंधित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर भेजकर निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न एवं अवैध कब्जों के मामलों में आवश्यकता पड़ने पर कठोर कार्रवाई भी की जाए।

प्रधानमंत्री की अपील का विरोध लखनऊ में सर्राफा मार्केट बंद

ज्वेलर्स का धरना, बोले- जितना डराओगे, उतना ही सोना खरीदेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से देशवासियों से एक साल तक सोना न खरीदने की अपील का लखनऊ के ज्वेलर्स ने विरोध शुरू कर दिया है। लखनऊ महानगर सर्राफा एसोसिएशन और ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन की प्रदेश इकाई से जुड़े ज्वेलर्स ने सोमवार को एक दिने के लिए सर्राफा मार्केट बंद कर दिया। इसके बाद आशियाना में धरने में बैठकर सर्राफा एसोसिएशन जंदाबाद के नारे लगाए। धरने पर बैठे एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोष कुमार वर्मा ने कहा कि सर्राफा बाजार पहले से ही मंदी के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में सोना न खरीदने की अपील व्यापारियों के लिए चिंता बढ़ाने वाली है। उन्होंने देशभर के सर्राफा कारोबारियों से इस मुद्दे में एकजुट होने की अपील की। ऑल



इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्ड स्मिथ फेडरेशन के उत्तर प्रदेश संयोजक विनोद माहेश्वरी ने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब सोने की खरीद पर प्रतिबंध या डर का माहौल बनाया गया, तब-तब लोगों में इसे खरीदने की उत्सुकता और बढ़ी है। सोने की खरीद को लेकर लगातार नकारात्मक संदेश अनजाने में उसकी मांग को और बढ़ा सकते हैं। विनोद माहेश्वरी ने कहा कि सोने के प्रति भय का वातावरण बनाने के बजाय सरकार को व्यवहारिक और व्यवस्थित गोल्ड मॉनिटाइजेशन स्कीम लागू करनी

‘लाखों परिवार की आजीविका जुड़ी है’

संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि लाखों परिवारों की आजीविका सीधे तौर पर सर्राफा व्यापार से जुड़ी हुई है। एसोसिएशन ने देशभर की सभी सर्राफा संस्थाओं और व्यापारियों से इस मुद्दे में शामिल होकर अपने व्यापार को बचाने की अपील की है। व्यापारियों ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया है कि वह सर्राफा कारोबारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए अपनी अपील पर पुनर्विचार करें। उनका कहना है कि यदि व्यापार प्रभावित होता है, तो इसका असर छोटे दुकानदारों, कारीगरों और लाखों श्रमिकों पर भी पड़ेगा।

चाहिए। भारत में पहले से ही बड़ी मात्रा में घरेलू सोना मौजूद है।



पहले अल्पकालिक जमानत और पैरोल के लिए कई बार प्रयास किए थे, लेकिन उन्हें अस्वीकार कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने पैरोल के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें हाईकोर्ट जाने की छूट देते हुए कहा था कि बेटी की शादी से संबंधित दस्तावेज पहले हाईकोर्ट के समक्ष प्रस्तुत नहीं किए गए थे। इसी के बाद वर्तमान याचिका हाईकोर्ट में दायर की गई। राज्य सरकार ने न्यायालय को सूचित किया कि अभियुक्त की बेटी का विवाह 11 मई को उनकी उपस्थिति आवश्यक है। अंगद यादव ने इससे

पूर्व मंत्री अंगद यादव को 3 दिन की पैरोल बेटी की शादी में जाने के लिए परमिशन

स सरकार डर और अफरातफरी फैला रही : अखिलेश

अखिलेश यादव ने कहा कि इस तरह की अपीलों से व्यापार, कारोबार और बाजार में मंदी तथा महंगाई को लेकर डर और बेचैनी का माहौल पैदा होगा। उन्होंने कहा कि सरकार का काम आपातकालीन परिस्थितियों से लोगों को बाहर निकालना होता है, न कि भय और अफरातफरी फैलाना। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा सरकार देश नहीं चला पा रही है तो उसे अपनी नाकामी स्वीकार करनी चाहिए।

बेरोजगारी, मंदी और आर्थिक संकट के रूप में भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसान, मजदूर, युवा, गृहिणी, नौकरीपेशा और कारोबारी सभी वर्ग प्रभावित हैं। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार विदेश नीति और गृह नीति दोनों में पूरी तरह विफल साबित हुई है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने चुनावी गड़बड़ियों से राजनीति को प्रदूषित किया है और नफरत फैलाकर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने संस्कृति, संस्कार और धर्म तक को नुकसान पहुंचाया है।

सोने की खरीद पर बयान को लेकर भाजपा पर निशाना

अखिलेश यादव ने कहा कि सोना न खरीदने की अपील आम जनता से नहीं बल्कि भाजपा नेताओं और उनके करीबी लोगों से की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता तो पहले ही महंगाई के कारण सोना खरीदने में सक्षम नहीं है, जबकि भाजपा से जुड़े लोग अपनी काली कमाई को सोने में बदलने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि इसकी सच्चाई “लखनऊ से गोरखपुर” और “अहमदाबाद से गुवाहाटी” तक पता की जा सकती है।

एलडीए ने शुरू किया डोर-टु-डोर सर्वे

सभी योजनाओं की आवंटित संपत्तियों का होगा सत्यापन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने शहर की सभी आवंटित आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों का डोर-टु-डोर सत्यापन शुरू करने का फैसला किया है। इस अभियान के तहत एलडीए की टीमें घर-घर जाकर संपत्तियों का भौतिक निरीक्षण करेगी और मालिकाना रिकॉर्ड अपडेट करेगी। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि प्राधिकरण की फाइलों के डिजिटाइजेशन के दौरान कई संपत्तियों का रिकॉर्ड अधूरा या उपलब्ध नहीं मिला। इससे न सिर्फ प्राधिकरण के काम प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि फर्जीबाड़ी की आशंका भी बनी रहती है। इसी को देखते हुए सभी योजनाओं में व्यापक सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे का जिम्मा पीसीएस मैनेजमेंट सेकल्टेरी प्राइवेट



लिमिटेड को दिया गया है। संस्था के कर्मचारी घर-घर जाकर संपत्तियों का सत्यापन करेंगे। एलडीए की ओर से उन्हें आईडी कार्ड जारी किए जाएंगे, ताकि लोग उनकी पहचान सुनिश्चित कर सकें। सर्वे टीम आवंटियों से मोबाइल नंबर, आधार कार्ड, स्वामित्व से जुड़े दस्तावेज और पहचान पत्र की जानकारी लेगी। इसके आधार पर प्राधिकरण अपने रिकॉर्ड अपडेट करेगा। एलडीए अधिकारियों का कहना है कि रिकॉर्ड अपडेट होने से भविष्य में संपत्तियों से जुड़े विवाद और फर्जीबाड़ी की संभावना कम होगी।

सम्पादकीय

केरलम में देरी



केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे यानी यूडीएफ को स्पष्ट बहुमत मिलने के एक सप्ताह बाद भी मुख्यमंत्री का नाम तय करने को लेकर कोई फैसला न हो पाना पार्टी नेतृत्व की दुविधा और कमजोरी को ही बयान करता है। यदि राज्य में मुख्यमंत्री चयन में और अधिक देरी होती है तो कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच असमंजस बढ़ने के साथ उनके उत्साह में तो कमी आएगी ही, नेताओं और विशेष रूप से विधायकों के बीच गुटबाजी को भी हवा मिलेगी। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि मुख्यमंत्री पद के दावेदारों बीडी सतीशन और रमेश चेन्निथला के समर्थकों के बीच एक तरह का शक्ति प्रदर्शन शुरू हो गया है। ऐसा शक्ति प्रदर्शन कई बार कहल में तब्दील हो जाता है और उसका दुष्प्रभाव पूरी पार्टी पर पड़ता है। यह ध्यान रहे कि हाल के विधानसभा चुनावों में केवल केरलम में ही कांग्रेस अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन कर पाई है।बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में उसे निराशा ही हाथ लगी है। यह मानने के अच्छे भले कारण हैं कि केरलम में मुख्यमंत्री के चयन में इसलिए देरी हो रही है, क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व और विशेष रूप से राहुल गांधी पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल को मुख्यमंत्री बनाना चाह रहे हैं। कोई भी दल हो, मुख्यमंत्री चयन में आलाकमान को अपनी पसंद थोपने के स्थान पर विधायकों की राय को प्राथमिकता देने के साथ समर्थकों के मूड-मिजाज को भांपना चाहिए। जो दल ऐसा करने में असमर्थ रहते हैं, वे राजनीतिक नुकसान ही उठाते हैं। हो सकता है कि केरलम के कुछ विधायक केसी वेणुगोपाल को भी मुख्यमंत्री पद पर आसानी होता देखना चाह रहे हों, लेकिन तथ्य यह है कि वे तो विधानसभा चुनाव ही नहीं लड़े थे। उन्हें मुख्यमंत्री बनाने का यह कोई उचित अथवा लोकतांत्रिक आधार नहीं हो सकता कि वे राहुल गांधी के विश्वासपात्र हैं। यदि मुख्यमंत्री चयन में विधायकों और समर्थकों की राय की अनदेखी करने की कोशिश की जाएगी तो फिर सहयोगी दल भी अपनी राय थोपने की चेष्टा करेंगे। केरलम में मुख्यमंत्री चयन में देरी इसलिए अधिक ध्यान खींच रही है, क्योंकि चुनाव वाले अन्य राज्यों और यहाँ तक कि त्रिशंकु विधानसभा वाले तमिलनाडु में भी मुख्यमंत्री तय हो गया। केरलम में मुख्यमंत्री पद के चयन में जितनी अधिक देरी होगी, इस पद के दावेदारों के बीच खींचतान उतनी ही बढ़ेगी। यह खींचतान इस निर्देश से थमने वाली नहीं है कि मुख्यमंत्री पद के दावेदारों के समर्थक किसी तरह की टीका-टिप्पणी अथवा अभद्र व्यवहार न करें। केरलम में मुख्यमंत्री के चयन में जो देरी हो रही है, उससे यह भी नए सिरे से रेखांकित हो रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व समय पर फैसले नहीं ले पाता।

आत्मानुशासन हैं दुःख मुक्ति का मार्ग

आत्मानुशासन, आत्म नियंत्रण और आत्म संयम की प्रबल भावना हैं । युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी लोगों को अच्छा जीवन जीने के अनेक सूत्र प्रदान करते हैं । हमारे जीवन में अहिंसा , ईमानदारी, सत्य रखने के अनेक छोटे- छोटे सूत्र वह प्रवचन के माध्यम से जनता तक पहुंचा रहे हैं । इन सूत्रों को जीवन में ग्रहण करके एक व्यक्ति अच्छा इंसान बन सकता हैं । अनुशासन संसार में जीवन का मूल है । वह सदा अनुशासित रहना शूल की चुभन नहीं होता हैं । यह वह मंत्र हैं,जिससे इसके पालन से कि सुपुंभित संसार बन जग उजियार होता हैं । वह सुखी सुंदर व्यवस्थित सफलतम जीवन का मंत्र अनुशासन है और यदि हमारे अंदर आत्म – अनुशासन है तो हमारा लक्ष्य, समस्या कितनी भी बड़ी हो हम आसानी से उस पर विजय हासिल कर सकते हैं। हम इसका पालन करते हैं, तो यह आत्म-अनुशासन हमें ईनाम देता है। यह ईनाम किसी वस्तु स्वरूप नहीं है। यह हमारा

आत्म विश्वास है जो हमारे निर्णय क्षमता को बढ़ाएगा और हमें मन की मजबूती देगा। व्यक्ति के मन में दुःख मुक्ति की भावना रह सकती हैं । व्यक्ति के जीवन में बीमारी, बुढ़ापा, मृत्यु, जन्म आदि भी दुःख होते हैं । सारे दुःखों को शारीरिक और मानसिक दुःख इन दो प्रकारों में समाहित कर सकते हैं । शारीरिक दुःख बीमारी आदि के रूप में आ सकते हैं । वह तभी व्यक्ति को आर्थिक स्थिति या अन्य किसी बात या विषय को लेकर मन में भी कष्ट या दुःख हो सकता हैं, वह मानसिक कष्ट होता हैं । अब प्रश्न हैं कि दुःखों से छुटकारा कैसे मिले ? शास्त्रों में आध्यात्मिक उपाय बताया गया हैं कि अपने आपका अभिनिग्रह करो, अपने आपका संयम करो तो दुःखों से छुटकारा मिल सकेगा । यदि जीवन में आत्मानुशासन हो तो काफी हद तक दुखों से छुटकारा मिल सकेगा । वह सुव्यवस्थित जीवन जीने के लिए अनुशासन जीवन का अनिवार्य संजीवन है ।

> प्रदीप छाजेड़

बढ़ते अपराध और अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

66

अपराध के बढ़ने में सबसे बड़ा कारण नशा है। आज तो महिलाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति अधिक चिन्ताजनक है। सबसे गंभीर संकेत विद्यार्थियों और बेरोजगार युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं के मामले हैं। यह स्थिति बताती है कि समाज में निराशा, असुरक्षा और भविष्य के प्रति अनिश्चितता का वातावरण गहराता जा रहा है।



राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसी-आरबी) के ताजा आंकड़े केवल सांख्यिकीय दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज के उस अंधेरे और भयावह चेहरे को सामने लाते हैं, जिसे अक्सर विकास, आधुनिकता और राजनीतिक उपलब्धियों की चमक में छिपा दिया जाता है। वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है। जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है।

आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने। अपराधों से प्रस्त समाज कभी स्वस्थ, संतुलित और आदर्श समाज नहीं बन सकता। यदि समाज का वातावरण असुरक्षा, भय, अविश्वास और हिंसा से भरा होगा, तो विकास की सारी योजनाएं खोखली सिद्ध होंगी। एनसीआरबी के आंकड़े हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते अपराधों की जड़ों को नहीं पहचाना गया और उन पर कठोर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह स्थिति भविष्य में और अधिक विस्फोटक हो सकती है। विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं। राजस्थान का लगातार छठे वर्ष महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीर्ष पर बने रहना अत्यंत चिंताजनक है। बलात्कार के मामले में यह पहले स्थान पर, जबर्न गर्भपात में दूसरे और भ्रूण हत्या में तीसरे स्थान पर है। विवाह के लिए महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी राजस्थान चौथे नंबर पर है। इस अपराध में बिहार टॉप, यूपी दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। बिहार ‘पकड़वा विवाह’ के लिए भी बदनाम है, जिसमें पुरुषों का अपहरण कर जबर्न शादी कर दी जाती है। यदि प्रति लाख आबादी के लिहाज से हत्या की दर का विश्लेषण किया जाए तो झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य टॉप पर हैं और उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा और अपराधों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाला राज्य 12वें स्थान पर। इस मामले में मध्यप्रदेश छठे और राजस्थान सातवें पायदान पर खड़ा है। बलात्कार, भ्रूण हत्या, जबर्न गर्भपात और विवाह के लिए अपहरण जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि सामाजिक चेतना और नैतिक संस्कारों में गंभीर गिरावट आई है। महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदना और सुरक्षा की भावना कमजोर हुई है। यह विडंबना ही है कि एक ओर हम ‘नारी शक्ति’ और ‘बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ’ जैसे अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आंकड़े

आंबेडकर को लगता था...



डॉ. शैलेश शुक्ला

कांग्रेस और आंबेडकर का टकराव: सत्ता, समाज और समानता का संग्राम

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास केवल विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष की कथा नहीं है बल्कि वह भारतीय समाज के भीतर चल रहे वैचारिक संघर्षों का भी इतिहास है। इसी संघर्ष के केंद्र में दो बड़े प्रश्न थे—राजनीतिक स्वतंत्रता और सामाजिक समानता। एक ओर कांग्रेस और गांधीवादी राजनीति राष्ट्रीय स्वतंत्रता को सर्वोच्च लक्ष्य मान रही थी, तो दूसरी ओर डॉ. भीमराव आंबेडकर यह चेतावनी दे रहे थे कि यदि भारतीय समाज के भीतर सदियों से मौजूद जातिगत अन्याय और सामाजिक विषमता को समाप्त नहीं किया गया तो स्वतंत्रता केवल सत्ता परिवर्तन बनकर रह जाएगी। यही वह बिंदु था जहाँ से कांग्रेस, गांधी और आंबेडकर के बीच गहरे वैचारिक मतभेद उभरते हैं। इन मतभेदों को केवल राजनीतिक टकराव मानना इतिहास के साथ अन्याय होगा। वास्तव में यह भारत के भविष्य की दिशा को लेकर दो अलग दृष्टियों का संघर्ष था। डॉ. आंबेडकर ने अपने सार्वजनिक जीवन के प्रारंभ से ही यह अनुभव किया था कि भारतीय समाज में दलित समुदाय केवल आर्थिक रूप से ही नहीं बल्कि सामाजिक और मानवीय स्तर पर भी अत्यंत अपमानजनक स्थिति में जीवन जी रहा है। उन्हें मंदिरों में प्रवेश नहीं मिलता था, सार्वजनिक



कुओं से पानी लेने की अनुमति नहीं थी, शिक्षा और प्रशासन में अवसर लगभग गणपथ थे तथा सामाजिक व्यवहार में उन्हें मनुष्य तक नहीं माना जाता था। आंबेडकर का मानना था कि ऐसी स्थिति में केवल अंग्रेजों को हटाकर स्वराज प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं होगा। यदि समाज की संरचना नहीं बदलेगी, तो सत्ता केवल उच्च जातीय वर्गों के हाथों में चली जाएगी और दलितों की स्थिति में कोई वास्तविक परिवर्तन नहीं आएगा।

यही कारण था कि आंबेडकर कांग्रेस की राजनीति को लेकर प्रारंभ से ही संशय में रहे। कांग्रेस स्वयं को पूरे देश का प्रतिनिधि संगठन बताती थी लेकिन आंबेडकर का आरोप था कि उसमें वास्तविक शक्ति मुख्यतः उच्च जातीय और संपन्न वर्गों के हाथों में केंद्रित है। उनके अनुसार कांग्रेस दलितों की समस्याओं को उतनी गंभीरता से नहीं देखती थी, जितनी आवश्यकता थी। आंबेडकर कई बार सार्वजनिक रूप से यह कहते थे कि कांग्रेस दलितों के प्रश्न को नैतिक सहानुभूति तक सीमित रखती है, जबकि आवश्यकता सामाजिक संरचना में मूलभूत परिवर्तन की है।

महात्मा गांधी और डॉ. आंबेडकर के बीच मतभेद इसी संदर्भ में सबसे अधिक स्पष्ट दिखाई देते हैं। गांधी अस्पृश्यता को पाप मानते थे और उन्होंने

दलितों के उत्थान के लिए अनेक अभियान चलाए। उन्होंने उन्हें “हरिजन” नाम दिया और समाज से उनके प्रति भेदभाव समाप्त करने की अपील की लेकिन आंबेडकर इस दृष्टिकोण से संतुष्ट नहीं थे। उनका मानना था कि दलितों को दया या करुणा नहीं बल्कि अधिकार चाहिए। वे सामाजिक परिवर्तन को नैतिक सुधार के बजाय राजनीतिक और संवैधानिक अधिकारों के माध्यम से स्थापित करना चाहते थे।

आंबेडकर को लगता था कि गांधी और कांग्रेस जाति व्यवस्था की जड़ों पर उतना कठोर प्रहार नहीं कर रहे, जितना आवश्यक है। गांधी वर्ण व्यवस्था को आध्यात्मिक और सामाजिक दृष्टि से पूरी तरह अस्वीकार नहीं करते थे, जबकि आंबेडकर जाति व्यवस्था को भारतीय समाज की सबसे बड़ी बुराई मानते थे। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध कृति “जाति का विनाश” में स्पष्ट लिखा कि जब तक जाति व्यवस्था समाप्त नहीं होगी, तब तक सामाजिक लोकतंत्र संभव नहीं है। यही वह बिंदु था जहाँ गांधीवादी सुधारवाद और आंबेडकर की क्रांतिकारी सामाजिक दृष्टि के बीच गहरी दूरी दिखाई देती है। कांग्रेस के भीतर जवाहरलाल नेहरू आधुनिकता, वैज्ञानिक सोच और लोकतांत्रिक संस्थाओं के सबसे प्रमुख समर्थकों में थे। नेहरू सामाजिक समरता के विरोधी नहीं थे। वे भी सामाजिक सुधार और आधुनिक भारत के निर्माण की बात करते थे। लेकिन उनकी प्रार्थमिकता राष्ट्रीय एकता, लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थापना और आर्थिक विकास पर अधिक केंद्रित थी। नेहरू को लगता था कि औद्योगीकरण, शिक्षा और लोकतंत्र के विस्तार के साथ सामाजिक असमानताएँ धीरे-धीरे कम हो जाएँगी।

जराहटके

सचमुच नर्सें...



ललित गर्ग

रोगियों की मुस्कान और उम्मीद का दूसरा नाम हैं नर्सें

हर वर्ष 12 मई को पूरी दुनिया अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाती है। यह दिन आधुनिक नर्सिंग सेवा की जननी मानी जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस उन अगणित संवेदनशील हाथों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जो दिन-रात रोगियों के दर्द को कम करने, उन्हें जीवन का भरोसा देने और मृत्यु से संघर्ष कर रहे व्यक्ति के भीतर आशा का दीप जलाने का कार्य करते हैं। दुनिया में नर्सों की सेवा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, हर दिन, नर्सें शांत शक्ति, स्थिर हाथों और करुणा से भरे दिलों के साथ अस्पतालों, क्लीनिकों और विभिन्न सामुदायिक स्थानों पर कदम रखते हुए रोगियों के लिये देवदूत बनती हैं। नर्सें भगवान

का रूप होती हैं, वे ही इंसान के जन्म की पहली साक्षी बनती हैं और उनमें करुणा का बीज बोती हैं। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ दे देती हैं। रोगी की सेवा करते हुए वे अपना पारिवारिक सुख, करियर, जीवन और वर्तमान सबकुछ झोंेक देती हैं। वर्ष 2026 की थीम “हमारी नर्सें, हमारा भविष्य- सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं” पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि यदि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाया जाए तो नर्सों को सम्मान, सुरक्षा, संसाधन और सशक्त वातावरण देना होगा। यह दिवस 1965 से इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सिंग द्वारा शुरु हुआ है, बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश एवं दुनिया में नर्सों द्वारा किए गए अद्भुत सेवा कार्यों का



सम्मान करने के लिए करते हैं। सचमुच नर्सें अस्पतालों की आत्मा होती हैं। चिकित्सक जहां रोग की पहचान और उपचार का मार्ग तय करता है, वहीं नर्स अपने स्पर्श, सेवा, सहानुभूति और निरंतर देखभाल से रोगी को जीने की शक्ति देती हैं। रोगी जब दर्द, भय, चिंता और असहायता से घिरा होता है, तब नर्स ही उसके चेहरे पर विश्वास की मुस्कान बनकर सामने आती हैं। वह केवल इंजेक्शन लगाने, दवाइयों देने या रिपोर्ट संभालने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह रोगी के मनोबल की संरक्षक होती हैं। वह अपने व्यवहार, शब्दों और संवेदनाओं से रोगी को यह विश्वास दिलाती हैं कि वह अकेला नहीं है। यही कारण है कि दुनिया भर में नर्सों

को “धरती के फरिश्ते” कहा जाता है। मानवीय सेवा का सबसे जीवंत और प्रभावशाली स्वरूप यदि कहीं दिखाई देता है तो वह नर्सिंग सेवा में दिखाई देता है। एक नर्स रोगी की पीड़ा को केवल देखती नहीं, बल्कि उसे महसूस भी करती है। वह रात-रात भर जागकर मरीजों की देखभाल करती हैं, उनके दर्द की भाषा समझती हैं, उनकी छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखती हैं और कई बार अपने परिवार, अपने स्वास्थ्य और अपनी खुशियों की कीमत पर भी रोगियों की सेवा करती हैं। कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के समय पूरी दुनिया ने देखा कि जब लोग अपने ही परिजनों से दूरी बना रहे थे, तब नर्सें संक्रमित मरीजों के सबसे निकट खड़ी थीं। उन्होंने मृत्यु के रथ को पीछे छोड़कर जीवन की क्षा का संकल्प निभाया। उस दौर ने यह सिद्ध कर दिया कि नर्सें केवल स्वास्थ्यकर्मी नहीं, बल्कि मानवता की सबसे मजबूत प्रहरी हैं। नर्सिंग सेवा केवल नर्स ही, बल्कि करुणा, धैर्य और त्याग की साधना है। एक नर्स उस समय भी मुस्कुराती रहती है जब वह स्वयं मानसिक और शारीरिक थकान से गुजर रही होती है। वह रोगियों के बीच आशा

भावावह रूप लेते जा रहे हैं। यह केवल कानून की कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की विकृति का भी परिणाम है। आज अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। पहले अपराध सड़कों और गलियों तक सीमित थे, लेकिन अब इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने अपराध को नया चेहरा दे दिया है। साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और डेटा चोरी जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। यह ‘सॉफ्टवेयर क्राइम’ का नया युग है, जहां अपराधी बिना हथियारों, बिना जोखिम उठाए करोड़ों की ठगी कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि अब केवल परंपरागत पुलिसिंग से काम नहीं चलेगा। पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर सुरक्षा और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक साधनों से लैस करना होगा। अपराध की नई दुनिया से लड़ने के लिए नई सोच और नई तकनीक की जरूरत है। हालांकि कुछ संगीन अपराधों में मामूली कमी दर्ज की गई है, लेकिन इसे बहुत बड़ी उपलब्धि मान लेना आत्मप्र-वंचना होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद कई अपराधों को संज्ञेय अपराधों की सूची से हटाया गया है, जिससे आंकड़ों में कमी दिखाई दे रही है। इसलिए अपराध के आंकड़ों का केवल सतही अध्ययन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी गहराई से समीक्षा और विश्लेषण आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि अपराध केवल कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारणों से पैदा होने वाली जटिल चुनौती है। बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा, शिक्षा का बढ़ता दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना युवाओं को मानसिक तनाव की ओर धकेल रही हैं। जब युवा अपने जीवन को अर्थहीन समझने लगें, तब

यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए खतरे की घंटी होती है। इसलिए अपराध और आत्महत्या जैसी समस्याओं को केवल पुलिस या अदालतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए शिक्षा, परिवार, समाज और शासन-सभी को मिलकर काम करना होगा। अपराध बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण नैतिक मूल्यों का क्षरण भी है। उपभोक्तावाद, भौतिकता और त्वरित सफलता की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संवेदनहीन और स्वार्थी बना दिया है। आज सफलता का मापदंड केवल पैसा और शक्ति बन गया है। जब समाज में ईमानदारी, संयम, करुणा और नैतिकता की जगह छल, लालच और प्रतिस्पर्धा ले लेते हैं, तब अपराध स्वाभाविक रूप से बढ़ते हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है, संस्कार कमजोर हुए हैं और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना घटती जा रही है। सोशल मीडिया और मनोरंजन के अनेक माध्यमों ने भी हिंसा, अश्लीलता और त्वरित लाभ की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। ऐसे में नई पीढ़ी का भटकना स्वाभाविक हो जाता है। यह भी सच है कि कई बार अपराधियों में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है। मुकदमों का वर्षों तक लंबित रहना, राजनीतिक संरक्षण, भ्रष्टाचार और कमजोर जांच व्यवस्था अपराधियों के मनोबल को बढ़ाते हैं। यदि अपराधी यह महसूस करने लगें कि वे आसानी से बच सकते हैं, तो अपराधों पर नियंत्रण कठिन हो जाता है। इसलिए न्याय व्यवस्था को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की मांग है। अपराध के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी। कानून का भय तभी स्थापित होगा, जब अपराधी को शीघ्र और निष्पक्ष ढंड मिलेगा। लेकिन केवल सरकार और पुलिस को दोष देकर समाज अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता।

ललित गर्ग

एक युवा...



अर्पित शर्मा

महाराणा प्रताप : स्वाभिमान और संघर्ष की जीवित प्रेरणा

9 मई 1540 को महाराणा प्रताप का जन्म हुआ। भारत के इतिहास में अनेक वीर योद्धा हुए, मातृभूमि की रक्षा के लिए असंख्य लोगों ने अपने प्राण न्योछावर किए लेकिन महाराणा प्रताप में कुछ ऐसा विशेष था कि पाँच सौ वर्षों बाद भी वे केवल इतिहास की पुस्तक का एक पात्र नहीं, बल्कि स्वाभिमान, साहस और राष्ट्रभक्ति की जीवित प्रेरणा के रूप में स्मरण किए जाते हैं।

कहने को तो भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना बाबर ने पानीपत के प्रथम युद्ध (1526) के बाद की, लेकिन भारतीय इतिहास की पहचान और चेतना उससे बहुत पहले आकार ले चुकी थी। भारत ने गुप्तकाल का वह स्वर्णिम युग देखा था, जब ज्ञान, विज्ञान, कला, साहित्य और संस्कृति अपने उत्कर्ष पर थे। उसी काल में चीनी यात्री फाह्यान भारत आया और उसने यहाँ की समृद्धि, सामाजिक व्यवस्था और सांस्कृतिक वैभव का विस्तृत वर्णन किया। इसके बाद हूणों के आक्रमण हुए और धीरे-धीरे भारत के विदेशी आक्रमणों तथा सत्ता संघर्षों के लंबे दौर में प्रवेश करता गया। महमूद गजनवी के आक्रमणों से लेकर मोहम्मद गौरी तक, और फिर ममलूक, खिलजी, तुगलक, सैय्यद तथा लोदी वंशों का शासन भारत के लगभग पाँच सौ वर्षों के संघर्ष, अस्थिरता और राजनीतिक परिवर्तन का प्रतीक बन गया। इतिहास में हमें महाराणा प्रताप और अकबर के युद्ध की कथा तो पढ़ाई जाती है। हमें बाबर, हुमायूँ, अकबर और जहाँगीर के बारे में भी विस्तार से बताया जाता है लेकिन क्या हम उतनी ही गंभीरता से राणा सांगा, उदयसिंह द्वितीय, राणा अयमल और राणा कुम्भा को जानते हैं? क्या हमें उनके संघर्ष, त्याग, राज्य



व्यवस्था, संस्कृति संरक्षण और स्थापत्य कला के योगदान उतनी गहराई से बताए गए जितनी मुगल दरबारों की कहानियाँ, प्रेम प्रसंग और महलों की भव्यता?

एक युवा के रूप में आज आवश्यकता इस बात की है कि हम इतिहास के उन अनछुए और उपेक्षित पक्षों को भी पढ़ें और समझें, जिन्हें समय के साथ सीमित रूप में प्रस्तुत किया गया या भुला दिया गया। महाराणा प्रताप इसलिए महान नहीं हैं कि उन्होंने केवल युद्ध लड़ा। वे इसलिए महान हैं क्योंकि उन्होंने परिस्थितियों के सामने झुकने के बजाय संघर्ष और स्वाभिमान का मार्ग चुना। “जो दूढ़ राखे धर्म को, तिहीं राखे करताउ जो इण धर्म रो पालन करे, वो हे मेवाड़ी सरदार।” यह वह समय था जब पानीपत के युद्धों में तोपों, गोलों और बारूद आधारित आधुनिक हथियारों का उपयोग हो रहा था जबकि भारत के अनेक प्रापरिक राजवंश अब भी तलवार, ढाल, भाले और हथियों पर आधारित युद्ध पद्धति से संघर्ष कर रहे थे। लगभग पाँच से छह सौ वर्षों का वह कालखंड केवल सत्ता परिवर्तन का दौर नहीं था बल्कि अस्तित्व, स्वाभिमान और सभ्यता को बचाने का संघर्ष भी था।

चुनौतियों में से एक प्रशिक्षित नर्सों की कमी है। विकसित देशों में बेहतर वेतन और सुविधाओं के कारण विकासशील देशों की अनेक प्रतिभाशाली नर्सें विदेशों की ओर आकर्षित हो रही हैं। परिणामस्वरूप गरीब और विकासशील देशों की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। विश्व स्तर पर नर्सों की बढ़ती आवश्यकता यह संकेत देती है कि आज वाले समय में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता नर्सों की उपलब्धता और दक्षता पर ही निर्भर करेगी। इसलिए यह समय नर्सों को केवल “सेवक” के रूप में देखने का नहीं, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य व्यवस्था के निर्णायक स्तंभ के रूप में स्वीकार करने का है। भारत जैसे विशाल देश में नर्सिंग सेवा को अधिक सशक्त, सम्मानजनक और सुरक्षित बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। नर्सों के लिए बेहतर वेतनमान, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियाँ, पर्याप्त अवकाश, मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएँ, कौशल विकास और नेतृत्व के अवसर सुनिश्चित किये जाने चाहिए। निजी और सरकारी अस्पतालों को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जहाँ नर्सें सम्मान और आत्मविश्वास के साथ कार्य कर सकें।

बाथरूम से निकलते ही सिर में गोली मारी ट्रेन में हत्या की दो दिन में दूसरी वारदात काशी में जम्मू-तवी एक्सप्रेस में यात्री की हत्या

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में जम्मू-तवी एक्सप्रेस ट्रेन के एक यात्री की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रविवार रात 2 बजे बाथरूम से निकलते ही बदमाशों ने उसके सिर में गोली मार दी। गोली की आवाज सुनते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों ने तुरंत रेलवे पुलिस को सूचना दी। इसी बीच ट्रेन की रफ्तार धीमी हुई और हमलावर ट्रेन से कूदकर फरार हो गए।

फास्ट न्यूज

बाजार में टूटा बिजली का तार, बाल-बाल बचे लोग

दिलदारनगर, गाजीपुर। गाजीपुर के दिलदारनगर स्थित मुख्य बाजार में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब विद्युत एलटी तार अचानक टूटकर सड़क पर गिर गया। घटना किवर्द नगर स्थित सरताज मेडिकल के सामने हुई, जहां आसपास मौजूद दुकानदार और राहगीर बाल-बाल बच गए। समय रहते लोगों के हट जाने से बड़ा हादसा टल गया।

जल निगम के अधिशासी अभियंता का वेतन रोका

गाजीपुर। गाजीपुर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आलोक प्रसाद भी मौजूद रहे। बैठक में 50 लाख रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं, सांसद निधि, पूर्वांचल विकास निधि, क्रिटिकल गैप्स और लोक निर्माण विभाग की सड़कों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान यह सामने आया कि जनपद में कई निर्माण कार्य अभी भी अधूरे हैं, जबकि कुछ योजनाएं धन की कमी के कारण रुकी हुई हैं।

गाजीपुर में फटी पाइपलाइन, हजारों लीटर पानी बर्बाद

गाजीपुर। गाजीपुर शहर के कचहरी रोड पर राजेश गन हाउस के पास पिछले दो-तीन दिनों से मुख्य पानी सप्लाई पाइपलाइन फटी हुई थी। इससे हजारों लीटर पेयजल लगातार सड़क पर बह रहा था। भीषण गर्मी और पानी की किल्लत के बीच पेयजल की इस बर्बादी से स्थानीय लोगों में नाराजगी थी। स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने मामले का संज्ञान लिया।

नारेबाजी : शर्ट उतारकर सदन के अंदर धरने पर बैठे, कांग्रेसी गेट के ऊपर चढ़े

आगरा नगर निगम की बैठक में बीजेपी पार्षद का हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। नगर निगम में में सदन की बैठक में हंगामा हो गया। BJP पार्षद ने मेयर पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए अपनी शर्ट उतार दी। इसके बाद वह सदन के अंदर ही धरने पर बैठ गए। उन्होंने कि एक-एक लाख रुपए लेकर निगम में सफाई कर्मियों की भर्ती हो रही हैं। मेयर ने पार्षद से कहा कि सदन में महिलाएं पार्षद भी हैं। इस तरीके से कपड़ा उतार कर प्रदर्शन करना गलत है। आपकी इस हरकत पर कार्यवाही की जाएगी। इससे पहले कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने सदन के बाहर हंगामा कर रहे हैं। वह नगर निगम के खिलाफ

नगर निगम सदन का गेट बंद होने पर कांग्रेसी गेट के ऊपर चढ़ गए। भाजपा पार्षद पर मेयर भड़क गई। बोलीं- आपके खिलाफ कार्रवाई करूंगी। कांग्रेसियों ने निगम के अफसरों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं।



नारेबाजी कर प्रदर्शन कर रहे हैं। थाली और ताली बजा रहे हैं। अधिकारियों को कांग्रेस

कार्यकर्ताओं की प्रदर्शन की जानकारी मिली तो नगर निगम के अंदर गेट पर ताला

वहीं नगर निगम सदन की कार्यवाही के बीच कांग्रेसियों का 3 घंटे से प्रदर्शन जारी है। कार्यकर्ता भजन गाकर विरोध जता रहे हैं। साथ ही हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। उनका कहना कि जनता की समस्याएं सुनने वाला कोई नहीं है।



भाजपा पार्षद बोले- 1 लाख में हो रही सफाई कर्मियों की भर्ती

बैठक के दौरान सदन में भाजपा पार्षद हरिओम बाबा कपड़े उतार कर मेयर हेमलता दिवाकर कुशवाहा और नगरायुक्त के सामने धरने पर बैठ गए। कहा कि आगरा नगर निगम में 15 ऐसे कर्मचारी हैं, जो आगरा निगम से वेतन लेने के साथ ही फिरोजाबाद नगर निगम से भी वेतन ले रहे हैं। जिन सफाई कर्मियों की भर्ती हो रही है। उनसे निगम के अधिकारी 1 लाख रुपए ले रहे हैं। पैसे देने के बाद ही उनकी नियुक्ति हो रही है। नगर निगम भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है।

लगाकर उन्हें रोक दिया। प्रदर्शन करने वाले गेट पर चढ़ गए। इसके बाद फर्श पर धरने पर बैठ गए। कांग्रेसियों ने कहा कि दहाली का अड्डा खत्म करो। हिस्सेदारी बंद करो।

यात्री के पास 15 हजार रुपए मिले, पत्नी के जेवर सुरक्षित

पुलिस ने बताया कि दिनेश शाह के पास करीब 15 हजार रुपये नकद मिले हैं। उनकी पत्नी के जेवर सुरक्षित हैं। घटना के बाद रेलवे पुलिस की एक टीम ट्रेन के साथ आगे गई है, ताकि यात्रियों से पूछताछ कर हमलावरों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। वहीं दूसरी टीम दिनेश के गांव भेजी गई है, जहां परिजनों से पूछताछ की जाएगी।

पुलिस के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 2 बजे मुगलसराय रेलवे स्टेशन से पहले ब्लॉक हट-बी के पास ट्रेन पहुंची थी। उस समय दिनेश बाथरूम गए थे। जैसे ही वह बाहर निकले, किसी ने उन्हें गोली मार दी।

मौके पर पहुंचे। पत्नी भी दौड़कर पहुंची और देखा कि दिनेश का शव खून से लथपथ पड़ा था। ब्लॉक हट-बी के चलते ट्रेन की स्पीड धीमी थी, इसलिए हमलावर ट्रेन से उतर गए। यात्रियों ने पुलिस को सूचना दी। रात 2:42 बजे ट्रेन वाराणसी जंक्शन पहुंची, जहां शव को नीचे उतारा गया। सकलडीहा के



रविवार को गाजीपुर के मंगरू की पैसंजर ट्रेन में गोली मारकर बदमाशों ने हत्या कर दी थी।

सीओ कृष्णमुरारी शर्मा ने बताया कि गाजीपुर के रहने वाले मंगरू 26 अप्रैल को कर्नाटक गए थे। वहां से 8 मई को वह ट्रेन से घर जमानियां के लिए निकले थे। वह पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से दिलदारनगर होते हुए ताड़ीघाट जा रही पैसंजर ट्रेन में सवार थे। रविवार सुबह बदमाशों ने उनकी कनपटी पर पिस्टल सटाकर गोली मार दी। हत्या के बाद आरोपी बैग लेकर सकलडीहा रेलवे स्टेशन से पहले ट्रेन से उतरकर फरार हो गए।

काशी में 200 मीटर घसीटा, गुस्साए लोगों ने पथराव किया, रिंग सेरमनी से लौट रही थीं

थार ने मां-5 साल की बेटी को कुचला, मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

शाली के कारण टली थी कारवाइ, 45 मकानों को किया गया है विह्वल 25 इमारतें मलबे में तब्दील

काई अप्रिय घटना न हो। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने बताया कि चिह्नित 45 भवनों को ध्वस्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें वे 20 मकान भी शामिल हैं, जिन्हें नगर निगम पहले ही जर्जर घोषित कर चुका है। हालांकि टीम ने 9 मई को 20 मकानों पर कारवाइ की थी। 10 को उन्ही पर टीम ने पुनः काम किया और आज सोमवार को पुनः बुलडोजर लेकर टीम ने गली में पहुंचे।



ने थार में फंसे घायलों को निकालने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए। 15 मिनट के भीतर मां-बेटी की तड़प-तड़पकर मौत हो गई। हादसे से गुस्साए लोगों ने थार में तोड़फोड़ की और पथराव किया। हाईवे पर जाम लगा दिया। सूचना पर चार थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। दो घंटे बाद पुलिस के समझाने पर लोग शांत हुए। मिर्जामुराद के बेनीपुर के रहने वाले मनोज राजभर सऊदी में जांब करते हैं। उनकी पत्नी सोनी राजभर और बेटी आरध्या (5)



गांव वालों ने करीब दो घंटे तक हंगामा किया। थार में तोड़फोड़ की और पथराव किया। हाईवे पर जाम लगा दिया।

पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आरोपी चालक गिरफ्तार

मनोज के भाई मोनू ने बताया कि हम लोगों को रात में सूचना मिली। मौके पर पहुंचे तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। हमारे हाथ में चोट लगी है। मनीष की 26 अप्रैल को शादी हुई थी। एसीपी रोहनिया संजीव शर्मा ने बताया कि महिला और उसकी बेटी की हादसे के दौरान

मां ने बताया 4 लोग रिंग सेरेमनी में गए थे

मां हीरामनी ने बताया कि बनारस के एक लॉन में छिक्रैया (रिंग सेरेमनी) थी। जिसमें शामिल होने के लिए मेरा छोटा बेटा, बड़ी बहू और पोती शाम 4 बजे घर से निकले थे। हमारे घर के चार लोग गए थे। फिर प्रोग्राम के बाद बाकी लोग घर चले आए। छोटा बेटा और बड़ी बहू बाद में निकले। देर रात जब घर नहीं पहुंचे तो बेटी के फोन पर कॉल की। किसी डॉक्टर ने उठाया। उसने बताया कि हादसे में घायल हो गए हैं। बहू-बेटा अस्पताल में भर्ती हैं। परिजनों को लेकर ट्रामा सेंटर आ जाइए।

मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वारदात के बाद सीसी फुटेज खंगाले हैं, हुलिया और कार नंबर के आधार पर थार सवारों की पहचान की जा रही है। सर्विलांस की टीम उनका लोकेशन खंगाल रही है। जल्द ही आरोपी गिरफ्तार किए जाएंगे।

थीं। समारोह के बाद तीनों बाइक से घर आ रहे थे। भुलनपुर के पास होटल प्राइम लैंड के सामने थार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

सपा विधायक शाहिद मंजूर हाउस अरेस्ट

बुलंदशहर में धरनारत किसानों से मिलने जाने से रोका

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में किठोर सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक शाहिद मंजूर को पुलिस ने पिछले 48 घंटे से हाउस अरेस्ट किया हुआ है। शाहिद मंजूर बुलंदशहर में प्रदर्शन कर रहे किसानों से मिलने उनके पास जा रहे थे। जहां जाने से उनको पुलिस ने रोक दिया है। पुलिस ने रविवार रात से ही शाहिद मंजूर को हाउस अरेस्ट किया है। शाहिद मंजूर ने बताया कि बुलंदशहर में गांव बाहव के किसान धरने पर बैठे हैं। ये वो किसान हैं जिनकी जमीनें गंगाएक्सप्रेस वे के अधिग्रहण में आ रही हैं। जमीनों का सीमा दहान न मिलने से परेशान किसान यहां धरनारत हैं। वो अपने हक के लिए आवाज उठा रहे हैं। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी के कुछ नेताओं से कहा कि हम लोग



उन किसानों के पास जाकर उनकी परेशानी को साझा करें। उनके दुख में उनके साथ रहे। इसी के नाते मुझे भी उन किसानों से मिलने बुलंदशहर जाना है। लेकिन मुझे अपने ही घर में कैद कर दिया है। मैं अपने घर से कहीं नहीं जा पा रहा हूं। अगर मैं डॉक्टर के यहां भी जाऊं तो मेरठ पुलिस के दरोगा, पुलिसकर्मी मेरे साथ ही लगे हैं। बताया कि मैं शाहियों से लेकर लोगों के यहां शोकसंवेदनाओं में जा रहा हूं तो भी पुलिस का पहरा साथ चल रहा है। दो दर्जन से भी अधिक पुलिसकर्मी मेरे पूरे घर, घर के बाहर की सड़क पर पहरा लगा रखा है।

सरकारी अस्पताल से महिला ने बच्चा चुराया

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के एक सीएचसी में बच्चा चोरी करने का मामला सामने आया है। एक महिला ने खुद को स्टाफ नर्स बताकर मां के पास लेते बच्चे को उठा लिया। वह जांच की बात कहकर बच्चे को बाहर लेकर जाने लगी।

इसी दौरान बच्चे की मां चीखने-चिल्लाने लगी। आवाज सुनकर सिक्वोरिटी गार्ड और परिजनों ने महिला को पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में महिला बच्चे को छिलाने की बात कहने लगी। वह बार-बार अपना नाम और पता अलग-अलग बता रही है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें महिला वाई से बच्चा लेकर जाती नजर आ रही है। पुलिस ने फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर



एक सप्ताह के पांच बार सीएचसी में दिखी महिला

पूछताछ में पता चला कि महिला पिछले एक सप्ताह में करीब 5 बार घाटमपुर सीएचसी आई थी। वह जन्मा-बच्चा वाई में भी दिखी थी। इससे आशंका है कि वह पहले से बच्चा चोरी की योजना बना रही थी। घटना के बाद पुलिस सीएचसी पहुंची और चिकित्साधीक्षक डॉ. पवन सचान से बात की। अस्पताल स्टाफ से भी जानकारी जुटाई गई।

दी है। पूरा मामला रविवार रात घाटमपुर सीएचसी का है। घाटमपुर थाना क्षेत्र के बम्हरी गांव निवासी अवनीशी किसान हैं। उनकी पत्नी मंजू (22) गर्भवती थीं।

दोपहर से टहल रही थी, 7 सेकेंड में बच्चा लेकर भागी

सोमवार को पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली। फुटेज में दिखा कि महिला रविवार दोपहर से ही सीएचसी में घूम रही थी। वह गर्भवती महिलाओं से बात कर रही थी। हालचाल पूछ रही थी। शक से बचने के लिए वह स्टाफ रूम की तरफ भी जा रही थी। इससे सही उसने नर्स समझ ले थे। महिला ने खुद को नर्स बताया। फिर जांच के बहाने नवजात को मां से ले लिया। इसके बाद वह बच्चे को लेकर बाहर जाने लगी। कुछ ही सेकेंड में महिला वाई से निकल गई। तभी प्रसूता को शक हुआ। वह पीछे दौड़ी और शोर मचा दिया। इसके बाद महिला को पकड़ लिया गया।

चंदौली में सुबह 8 बजे मुंह बांधकर हमलावर आया, कनपटी में गोली मारी, भीड़ ने पकड़ा अस्पताल में घुसकर महिला मरीज की हत्या

पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

चंदौली। चंदौली में एक प्राइवेट अस्पताल में महिला मरीज की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावर सोमवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे मुंह बांधकर इलाज कराने के बहाने अस्पताल में घुसा। वह बेड पर लेटी महिला के पास गया। सीधे कनपटी पर पिस्टल सटाकर गोली मार दी। हत्या से अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। वारदात के बाद आरोपी फायरिंग करते हुए भागने लगा। इसी दौरान एक ऑटो चालक ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया और उससे पिस्टल छीन ली। इसके बाद भीड़ ने आरोपी की पिटाई कर दी और पुलिस के हवाले कर दिया।

फास्ट न्यूज

आगरा के पिनाहट में हॉर्न बजाने को लेकर विवाद

आगरा। आगरा के थाना पिनाहट क्षेत्र अंतर्गत गांव सिवालदासपुरा में गाड़ी का हॉर्न बजाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। इसके बाद जमकर मारपीट हुई। कई राउंड फायर भी हुए। विवाद के बाद एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के घर में आग लगा दी। इससे हड़कंध मच गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया।

कानपुर में पुलिस की वर्दी पहनकर लूट करने वाला गैंग

कानपुर। कानपुर में पुलिस की वर्दी पहनकर लूट करने वाला गैंग पकड़ा गया है। पुलिस की वर्दी में देखकर लोग पहले इनपर भरोसा करते और फिर ये वारदात करके फरार हो जाते। पकड़े गए दोनों आरोपी कन्नीज के रहने वाले हैं। इन्होंने लिफ्ट देकर एक एजेंसी के एजेंट से एक लाख रुपये की लूट की थी। दोनों के पास से पुलिस की वर्दी और कैप भी बरामद हुई है। गैंग में तीन सदस्य हैं। दो को पुलिस ने पकड़ लिया है। इनका तीसरा साथी भाग निकला। कलक्टरगंज की पुलिस उसकी तलाश में दबिश दे रही है।

जीएसटी चोरी को दोस्त के नाम खोल दी फर्जी फर्म

आगरा। जीएसटी चोरी करने के लिए शांति ने दोस्त को रुपए का लालच देकर उसके नाम से फर्जी फर्म खोल ली। पंजाब नेशनल बैंक में चालू खाता खुलाया गया। बैंक खाते से चार महीने में हुए 76.15 करोड़ रुपये के लेनदेन पर बैंक मैनेजर ने जीएसटी कार्यालय में सूचना दी। रायच कर अधिकारी की ओर से की गई जांच में मामला इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) चोरी का पाया गया है।



मामला शहर मुख्यालय से 30 किमी दूर अलीनगर थाना क्षेत्र के जीवक अस्पताल का है। मृतक महिला का नाम लक्ष्मीना (55) है। वह बिहार के भभुआ की रहने वाली थी। पैर टूटने की वजह से अस्पताल में भर्ती थी। हमलावर की पहचान वीरेंद्र कुमार के रूप में हुई है। वह पंजाब के अंबाला का रहने वाला है। हत्या की वजह जानने के लिए

पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। बिहार के भभुआ जिले के चैनपुर थाना के बहोवना गांव की रहने वाली लक्ष्मीना देवी का पैर टूट गया था। उन्हें पिछले माह 5 अप्रैल को जीवक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एक रिश्तेदार भी उसके साथ था। एडीजी पीयूष मोडिया ने भी अस्पताल पहुंचकर जांच की। ऑटो चालक विनोद दुबे ने बताया

ट्रेन से गायब प्रज्ञा 5 दिन बाद बेगूसराय में मिली केदारनाथ से लौट रहा था कपल

तमसा संकेत, एजेंसी

देहरादून। केदारनाथ यात्रा से लौटते समय नंदा देवी एक्सप्रेस ट्रेन से लापता हुई 29 वर्षीय प्रज्ञा सिंह पांच दिन बाद बिहार के बेगूसराय में सुरक्षित मिल गई हैं। पुलिस उन्हें अपने साथ लेकर हरिद्वार के लक्सर थाने पहुंची, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। थाने में प्रज्ञा का पूरा परिवार भी मौजूद है। इस पूरे मामले में देहरादून ग्रामीण के एसपी शेखर चंद्र सुयाल ने बताया कि प्रज्ञा के लापता होने की सूचना मिलने के बाद लक्सर थाने में मिसिंग रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इसके बाद पुलिस ने सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज और ट्रेन रूट के आधार पर कई टीमें बनाकर जांच शुरू की। एसपी ने बताया कि बुधवार शाम प्रज्ञा ने एक नंबर से अपने परिजनों से संपर्क किया, जिसके बाद पुलिस ने उनकी



लोकेशन ट्रेस की। लोकेशन बिहार के बेगूसराय में मिली, जहां पुलिस टीम पहुंची और उन्हें सुरक्षित बरामद कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक पूछताछ में प्रज्ञा ने बताया है कि वह किसी बात से नाराज होकर अपनी मर्जी से घर से चली गई थीं। फिलहाल उन्होंने किसी तरह के दबाव या किसी तीसरे व्यक्ति की भूमिका से इनकार किया है। एसपी ने कहा कि दोनों की शादी कुछ समय पहले ही हुई थी और विस्तृत बयान दर्ज होने के बाद ही पूरे मामले की स्थिति साफ हो सकेगी।

बहन बोली- मेरे भाई को तड़पाकर-तड़पाकर मारा, चार साल पहले शादी हुई थी

युवक की पीट-पीटकर हत्या जमीन पर सिर पटका

परिजनों का आरोप है कि साजिश के तहत बेटे की हत्या की गई है। मामला धूलियागंज क्षेत्र का है। युवक का नाम हर्ष जैन है।

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। दबंगों ने मारपीट के दौरान युवक का सिर जमीन पर पटक दिया। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने एक आरोपी का गिरफ्तार कर लिया है। छत्ता थाना क्षेत्र के धूलियागंज में हर्ष जैन अपनी मां दीपिका जैन, बहन मोहिनी जैन, पत्नी नंदिनी जैन और दो साल की बेटी के साथ रहता



है। हर्ष की 4 साल पहले ही शादी हुई थी। घटना धूलियागंज शराब के ठेके के पास हुई थी। हर्ष की बहन मोहिनी जैन ने बताया- रविवार को भाई हर्ष काम पर दुकान गया था। शाम 6 बजे जब वो घर लौट रहा था। तब हर्ष का झगड़ा विशाल से हुआ। धूलियागंज शराब ठेके के पास दोनों के बीच मारपीट हुई थी। इसके बाद हर्ष घर आ गया था। भईया के फोन पर एक व्यक्ति लगातार उसे धमकी दे रहा था। रविवार रात को भाई जब घर से बाहर निकला, तो उन लोगों ने

मामले में डीसीपी सिटी सच्यंद अली अब्बास ने बताया- हर्ष का शाम को आरोपी देवा माहौर के भाई विशाल से झगड़ा हुआ था। दोनों के बीच में मारपीट हुई। विशाल ने अपने भाई देवा को बताया। रात को देवा अपने साथियों के साथ हर्ष के पास पहुंचा। दोनों के बीच फिर से झगड़ा हो गया। देवा ने हर्ष के मुंह पर पंच और घुंसे मारे। उसको जमीन पर पटक दिया। इससे हर्ष की मौत हो गई।

उसे तड़पाकर मारा है। जब वो पहुंचे तो उसकी सांस थम चुकी थी।

पृष्ठ 01 का रोष...

‘सनातन को भिटाने...

इससे पहले, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम ने श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन किया। मंदिर परिसर में ‘ॐ’ का जाप किया। यहां सीएम ने राज्यपाल को पटक और रुद्राक्ष की माला पहनाई। सीएम और राज्यपाल ने पीएम मोदी को गुजरात के सोमनाथ मंदिर में जलाभिषेक का लाइव टेलिकास्ट देखा। दरअसल, गुजरात में सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के आज 75 साल पूरे हो रहे हैं। 11 मई 1951 को स्वतंत्र भारत में नए तिर्रे से बनाए गए सोमनाथ मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा हुई थी। इस उपलक्ष्य में सोमनाथ अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसी मौके पर काशी में भी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें छात्राओं और छात्रों ने शंखनाद के साथ डमरू वादन किया। गुजरात से काशी पहुंची महिलाओं ने पीएम मोदी के लिए ‘वोट फॉर भाईसाहब’ के नारे लगाए। सीएम ने कहा- 1000 साल पहले विदेशी आक्रांता महमूद गजनवी के आक्रमण सहित अन्य विदेशी आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर पर 17 बार आक्रमण किया। मंदिर के वैभव को खंडित करने का प्रयास किया। उन्हें यह भ्रम था कि

मूर्ति को खंडित कर और इसके वैभव को लूटकर भारत की आत्मा को सदैव के लिए समाप्त किया जा सकता है। यह केवल सोमनाथ महादेव मंदिर के साथ ही नहीं हुआ, बल्कि भारत के हजारों स्थलों के साथ हुआ है। इसमें काशी विश्वनाथ धाम भी शामिल है।

डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान...

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने, फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने, प्रतिबंध हटाने और परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की बात कही गई थी। अमेरिका ने इस हफ्ते ईरान को 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेजा था। इसके तहत ईरान को कम से कम 12 साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकना होगा और अपने पास मौजूद करीब 440 किलो 60% एनरिचड यूरेनियम अमेरिका को सौंपना होगा। इसके बदले अमेरिका प्रतिबंधों में ढील देगा, ईरान की फ्रीज की गई अरबों डॉलर की संपत्तियां छोड़ेगा, साथ ही ईरानी बंदरगाहों पर लगी नौसैनिक नाकेबंदी हटाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम और हाईली एनरिचड

यूरेनियम पर पूरी तरह समझौता करने को तैयार नहीं है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि उनका जवाब सकारात्मक का क्या-व्याहारिक है और अब फैसला अमेरिका को करना है। दोनों देशों ने 8 अप्रैल से लागू सीजफायर खत्म होने की घोषणा नहीं की है। ओमान के विदेश मंत्री सैयद बद्र बिन हमद अल बुसैदी ने इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के महासचिव आर्सेनियो डॉमिंगेज से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने क्षेत्र में समुद्री रास्तों और खासकर होर्मुज संकट पर चर्चा की।

टीएमसी 31 सीटों...

2021 में भाजपा की 77 में से 72 सीटों पर जीत का मार्जिन 30 हजार से कम था। प्रतिशत में देखें तो भाजपा ने इस बार 62% सीटें 30 हजार से कम मार्जिन पर जीतीं, जबकि 2021 में ऐसी 93.5% थीं। साल 2021 में 121 सीटों पर तृणमूल की जीत का अंतर 30 हजार से कम था और 94 पर 30 हजार से ज्यादा। यानी बहुमत वाले दल के लिए ये आंकड़े ट्रेड दर्शाते हैं। इस बार भाजपा की 25 सीटें ऐसी हैं, जहां हटाए या अयोग्य घोषित मतदाताओं की संख्या जीत के

अंतर से अधिक है। 13 अप्रैल: कोर्ट बोला- जीत के अंतर से ज्यादा वोटर वोट नहीं डाल पाए तो दखल देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने 13 अप्रैल ने कहा था कि चुनाव परिणाम में तभी दखल दिया जाएगा, जब बड़ी संख्या में मतदाता बाहर किए गए हों और वह संख्या जीत के अंतर को प्रभावित करती हो।

भाजपा को बंगाल में...

तृणमूल कांग्रेस को 2 करोड़ 60 लाख 13 हजार 377 वोट मिले हैं। BJP को TMC से 32 लाख 11 हजार 427 ज्यादा वोट मिले हैं। यानी 293 सीटों के हिसाब से भाजपा को हर सीट पर औसत 10,960 वोट ज्यादा मिलें। राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) से कुल 91 लाख वोट कटें। यानी हर सीट पर औसतन 30 हजार वोटों के नाम काटे गए। कुल 293 सीटों से 176 पर जीत का अंतर 30 हजार से कम और 117 सीटों पर 30 हजार से अधिक रहा।

देश चलाना मोदी के...

क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाए,

कहां नहीं।' दरअसल, रविवार को सिकंदराबाद में एक जनसभा में पीएम मोदी ने आयात पर निरभरता कम करने की जरूरत पर जोर दिया था, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत और पर्यावरण की रक्षा हो सके। पीएम मोदी रविवार को कहा था, 'आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का इस्तेमाल कम करना होगा। पड़ोस में चल रहे युद्ध के असर से दुनियाभर में पेट्रोल-डीजल के दाम कई गुना बढ़ गए हैं। भारत पर इस वैश्विक संकट का असर ज्यादा है, हमारे पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं।' पेट्रोल, गैस और डीजल बचाने के लिए हमें वर्क फ्रॉम होम जैसे उपायों की जरूरत है। अनावश्यक वाहन उपयोग कम करें। मेट्रो में सफर और कारपूलिंग करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को उसमें बैठाकर ले जाएं। हर परिवार अगर खाने के तेल का इस्तेमाल थोड़ा कम करे तो इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी और लोगों की सेहत भी बेहतर रहेगी। देश को रासायनिक उर्वरकों की खपत आधी करने का लक्ष्य रखना चाहिए और

तेजी से प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना चाहिए। शादियों, छुट्टियों और अन्य कारणों से विदेश यात्रा कुछ समय के लिए टालना देशहित में होगा।

‘सोना खरीदने की...

इन परीक्षाओं के जरिए भारत ने दुनिया को अपनी रणनीतिक और वैज्ञानिक ताकत दिखाई। लेकिन परमाणु परीक्षाओं के बाद अमेरिका, जापान और कुछ पश्चिमी देशों ने भारत पर कई आर्थिक और तकनीकी प्रतिबंध लगाए थे।

जब तक हालात...

आज समय की मांग है कि हम 'लोकल फॉर लोकल' को एक जन-आंदोलन बनाएं। विदेशी सामान की जगह, लोकल उत्पादों को अपनाएं। अपने गांव, अपने शहर, अपने देश के उद्यमियों को ताकत दें।

महिला आरक्षण को...

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में विभिन्न महिलाएं शामिल हुई हैं, जिनमें भाजपा से जुड़ी महिलाएं भी मौजूद रहीं। तेज धूप में प्रदर्शन के दौरान सांसद लालजी वर्मा के घर पर मौजूद समर्थकों

छात्र ने शादीशुदा गर्लफ्रेंड के साथ होटल में जान दी

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में छात्र ने अपनी शादीशुदा गर्लफ्रेंड के साथ जान दे दी। रविवार को दोनों घर से 30 किमी दूर एक होटल पहुंचे और कमरा बुक कराया। कुछ देर बाद दोनों को उलटियां होने लगीं। आवाज सुनकर होटल स्टाफ पहुंचा। आवाज लगाने पर भी जब कमरा नहीं खोला गया तो पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद दरवाजा तोड़ा गया। दोनों अंदर बेड पर बेसुध पड़े मिले। पुलिस ने दोनों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। इलाज के दौरान रविवार देर रात दोनों की मौत हो गई।

मामला नवाबाद थाना क्षेत्र के होटल रॉयल इन का है। 23 साल का छात्र युवराज SSC की तैयारी कर रहा था। तीन दिन पहले उसने SSC GD का एग्जाम दिया था। 27 साल की गर्लफ्रेंड भारती राजपूत उससे 13 साल बड़ी थी। उसका एक 5 साल का बेटा भी है।



टहरीली के खिल्लावारी गांव निवासी जयपाल यादव परिवार के साथ पांच साल से चिरगांव के औपारा रोड पर रहते हैं। वे बड़े किसान हैं। उनके पास 100 बीघा खेत हैं। जयपाल ने बताया कि उनके तीन बेटे हैं। बड़ा बेटा युवराज सिंह यादव था। उससे छोटे जुड़वा बेटे विनय और विशाल हैं। विनय हाल ही में यूपी पुलिस में सिपाही भर्ती हुआ है। युवराज के ताऊ कमल यादव ने बताया कि उनका भतीजा बुलेट से चलता था और काफी हँडसम था। घर से 100 मीटर दूर टहरीली के बेला बसारी की रहने वाली भारती राजपूत (36) रहती थी। वह शादीशुदा थी। उसका पति मजदूर है।

केएम अस्पताल के डॉक्टरों ने 10 माह से बेजान पड़े मरीज को किया स्वस्थ

आयुष्मान योजना से मिली किच्चू को नई जिंदगी

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। चिकित्सा जगत में संवेद-नशीलता और तकनीक के संगम का एक अनूठा उदाहरण सामने आया है। बदनागढ़ (नंदगांव) के निवासी 40 वर्षीय किच्चू, जो पिछले 10 महीनों से बिस्तर पर बेजान पड़े थे, अब पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने पैरों पर खड़े होने की राह पर हैं। यह संभव हो पाया है केएम मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के न्यूरो सर्जन डॉ. संदीप चौहान और केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना के सफल समन्वय से।

करीब 10 महीने पहले एक सड़क हादसे ने किच्चू की जिंदगी बदल दी थी। इस हादसे के बाद उनके शरीर की मूवमेंट पूरी तरह बंद हो गई थी। परिजन उन्हें दिल्ली के



एम्स सहित कई बड़े निजी अस्पतालों में ले गए, लेकिन किच्चू के एचसीवी (हेपेटाइटिस सी) संस्थानों ने इलाज करने से हाथ खड़े कर दिए। आर्थिक तंगी ने परिवार की हिम्मत तोड़ दी थी और महंगे इलाज का खर्च उठाना उनके बस के बाहर था। निराशा के बीच

एक परिचित की सलाह पर परिजन किच्चू को लेकर केएम अस्पताल पहुंचे। यहीं न्यूरो सर्जन डॉ. संदीप चौहान ने मामले की गंभीरता को समझा। जांच में पाया गया कि रीढ़ की हड्डी के पास नसें दब गई हैं, जिससे शरीर के निचले हिस्से और हाथों में जान नहीं बची है। डॉ. चौहान ने साफ किया कि बिना

बृजभूषण के गढ़ गोंडा पहुंचीं रेसलर विनेश फोगाट

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा। 'गोंडा में मैं कंपटीशन खेलने आई हूँ। मैं इसके लिए 27 अप्रैल को ही रजिस्ट्रेशन कराया था। WFI के अध्यक्ष चाहते हैं कि मैं कुश्ती छोड़ दूँ। हार मान लूं। मुझे दो शो-कांज नोटिस मिले हैं। मैंने शॉर्ट में जवाब दे दिया है, लेकिन वो 14 दिन वाला जवाब तुरंत मांग रहे हैं। अभी हमारे पास पूरा समय है। मेरे खेलने से दो दिन पहले जानबूझकर ये नोटिस दे दिया गया।' यह बात गोंडा में स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने सोमवार को कही। वह नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेने पहुंचीं। विनेश ने कहा कि मैंने एक जवाब दे दिया है। दूसरा जवाब भी तैयार कर रही हूँ। मेरे पूरे जवाब से पहले ही कैसे दोषी करा दे दिया? मुझे WFI के अध्यक्ष संजय सिंह टुकड़े-टुकड़े गैंग का सदस्य बता चुके हैं। वो और बृजभूषण सिंह मिले हुए हैं। मुझे आतंकवादी



खालिस्तानी भी बोल सकते हैं। इसलिए मैं यहां खेलने में असुरक्षित महसूस कर रही हूँ। विनेश का दावा है कि उन्होंने संन्यास से वापसी के नियमों का पालन किया है और टूर्नामेंट में खेलने के लिए वे पात्र हैं। उन्होंने रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (WFI) के 'कारण बताओ' नोटिस का जवाब भी दाखिल कर दिया है। हालांकि, WFI विनेश के जवाब से संतुष्ट नहीं है। फेडरेशन का कहना है कि जब तक अनुशासन समिति की सुनवाई और फैसला नहीं हो जाता, उन्हें किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

तिलक ने कृणाल का रिले कैच पकड़ा, खुद स्कूप शॉट खेलने के कोशिश में आउट हुए

कोहली लगातार दूसरे मैच में शून्य पर आउट

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

बेंगलुरु ने रविवार के दूसरे मैच में मुंबई को 2 विकेट से हरा दिया। इस मुकाबले में विराट कोहली लगातार दूसरे मैच में बिना खाता खोले आउट हुए। जबकि तिलक वर्मा ने बाउंड्री लाइन पर कृणाल पंड्या का शानदार रिले कैच पकड़ा। वे खुद फिफ्टी के बाद स्कूप खेलने की कोशिश में विकेट गंवा बैठे। 167 रन चेज कर रही बेंगलुरु ने चौके से शुरुआत की। बेथेल ने दीपक चाहर की पहली दो



गेंदों पर चौके लगाए। फिर चाहर ने चौथी बॉल पर विराट कोहली को राज बावा के हाथों कैच कराया। विराट खाता नहीं खोल

तिलक का कैच छूटा, मुंबई के टॉप स्कोरर रहे

छठे ओवर में तिलक वर्मा को जीवनदान मिला। रसिख सलाम की स्लोअर गेंद पर तिलक का टॉप एज मिडविकेट की ओर गया, लेकिन सुयश शर्मा आसान कैच नहीं पकड़ सके। गेंद उनके हाथों से निकल गई। तिलक उस समय 11 रन पर खेल रहे थे। बाद में उन्होंने 57 रन की पारी खेली और मुंबई के टॉप स्कोरर रहे।

मुंबई के तीसरे ओवर में भुवनेश्वर कुमार ने दो विकेट लिए। पांचवीं बॉल पर उन्होंने नकल बॉल पर रोहित शर्मा को विकेटकीपर जितेश शर्मा के हाथों कैच कराया। अगली गेंद पर सुर्यकुमार यादव को स्लिप में खड़े विराट कोहली ने लो कैच पकड़कर पवेलियन भेज दिया।

को जीवनदान मिला। मुंबई ने मिडविकेट बाउंड्री पर आसान कैच छोड़ दिया। कृणाल ने स्लॉग स्वीप खेला। गेंद टॉप एज लेकर हवा में चली गई। नमन धीर और तिलक वर्मा कैच के लिए दौड़े। नमन ने कैच पकड़ा, लेकिन उनका संतुलन बिगड़ गया। उन्होंने गेंद तिलक की ओर उछाल दी, लेकिन तिलक उसे पकड़ नहीं सके। कृणाल पंड्या का बाउंड्री लाइन पर तिलक वर्मा ने शानदार रिले कैच पकड़ा।

स्कूप शॉट खेलने की कोशिश में तिलक आउट

18वें ओवर की आखिरी बॉल पर भुवनेश्वर कुमार ने तिलक वर्मा को बौलड किया। तिलक स्कूप शॉट खेलने के लिए ऑफ स्टंप के बाहर गए, लेकिन गेंद बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर सीधे लेग स्टंप से टकराई। तिलक ने 42 गेंदों में 57 रन बनाए। दर्शकों ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया।



आईपीएल-उर्विल ने सबसे तेज फिफ्टी के रिकॉर्ड की बराबरी की

हाथ जोड़कर सेलिब्रेट किया, पर्वी में लिखा- 'पापा यह आपके लिए'

नई दिल्ली। IPL में रविवार का पहला मैच चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच चॉपक मैदान पर खेला गया। 27 साल के उर्विल पटेल ने 13 बॉल पर फिफ्टी लगाकर IPL में सबसे तेज फिफ्टी के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने पहले तो हाथ जोड़कर सेलिब्रेशन किया। फिर जेब से एक पर्वी निकालकर दिखाई, इसमें 'पापा यह आपके लिए' लिखा था। लखनऊ की पारी के तीसरे ओवर की 5वीं बॉल पर जोश इंग्लिस ने रिवर्स पुल शॉट पर छक्का मारा। उन्होंने अंशुल कंबोज की बैक ऑफ लेंथ गेंद पर थर्ड मैन के ऊपर से 65 मीटर लंबा छक्का जड़ दिया। शॉट में टाइमिंग, बैलेंस और इन्वेंशन तीनों दिखे। 5वें ओवर की दूसरी बॉल पर जोश इंग्लिस ने चौका लगाकर अपनी फिफ्टी पूरी की। उन्होंने ऑफ स्टंप के बाहर की लेंथ को मिड ऑफ बाउंड्री के जाकर पहुंचाया। उन्होंने IPL के मौजूदा सीजन में



पहली फिफ्टी लगाई। 13वें ओवर की पहली बॉल पर ऐडन मार्करम (6 रन) डेवाल्ड ब्रेविस के डायरेक्ट श्रो पर रनआउट हो गए। रघुवंशी ने ऑफ स्टंप के बाहर फ्लाइटेट फुल गेंद पर शॉट लॉग ऑन की दाईं ओर खेला और 2 रन लेने का कॉल किया। मार्करम को तेजी से दौड़ना पड़ा, लेकिन डीप में मौजूद डेवाल्ड ब्रेविस ने सीधा स्टैंस पर श्रो मारा। यहां मार्करम क्रीज तक नहीं पहुंच सके। चेन्नई के रन चेज की शुरुआत चौके से हुई, जोकि संजू सैमसन ने मोहम्मद शमी की दूसरी बॉल पर लगाया। उन्होंने शॉर्ट गेंद पर बैकफुट में जाकर फाइन लेग बाउंड्री के बाहर पहुंचाया।

बार्सिलोना ने 29वां ला लीगा खिताब जीता

मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस ने गोल किए

नई दिल्ली। बार्सिलोना ने स्पेनिश फुटबॉल लीग 'ला लीगा' का खिताब फिर जीत लिया। रविवार को एल क्लासिको में टीम ने रियल मैड्रिड को 2-0 से हराया। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने सीजन के तीन मैच बाकी रहते अपनी 29वीं ला लीगा ट्रॉफी पक्की कर ली। मैच में मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस ने गोल किए।

जीत के बाद बार्सिलोना और रियल मैड्रिड के बीच अंकों का अंतर 14 हो गया, जिसे पार करना रियल मैड्रिड के लिए नामुमकिन है। यह मुकाबला बार्सिलोना के घरेलू मैदान कैप नाउ पर खेला गया।

मैच के दौरान बार्सिलोना के खिलाड़ियों ने भावुक संदेश दिया। गोल करने के बाद मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस हेड कोच हंसी



फिलक के पास गए और उन्हें गले लगाया। कोच फिलक के पिता का पिछले वीकेंड निधन हुआ था। खिलाड़ियों ने जीत और गोल को कोच और उनके परिवार को समर्पित किया। इस सीजन में बार्सिलोना ने घरेलू मैदान 'कैम्प नोउ' में खेले सभी 18 मुकाबले जीते हैं। टीम पिछले 11 मैचों से अजेय है और लीग के सभी 35 मैचों में गोल करने का रिकॉर्ड भी बनाया है। बार्सिलोना अब सबसे ज्यादा 36 ला लीगा खिताब जीतने वाली रियल मैड्रिड से 7 खिताब पीछे है। दूसरी ओर, रियल मैड्रिड के लिए यह हार दर्दनाक रही।

मैच की शुरुआत में मेनचेस्टर यूनाइटेड से लोन पर आए मार्कस रशफोर्ड ने शानदार फ्री-किक से बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। यह इस सीजन का उनका 14वां गोल था। हालांकि, बार्सिलोना उन्हें 28 मिलियन पाउंड (करीब 300 करोड़) में परमानेंट खरीदना था नहीं, इस पर सस्पेंस बना हुआ है। मैच के बाद रशफोर्ड ने कहा, 'मैं कोई जादूगर नहीं हूं, लेकिन अगर होता तो बार्सिलोना में ही रुक जाता। देखते हैं भविष्य में क्या होता है।'

बेंगलुरु को 3 बॉल पर चाहिए थे 9 रन, भुवनेश्वर के सिक्स से पलटी बाजी

आईपीएल- मुंबई आखिरी बॉल पर हारी, प्लेऑफ रेस से बाहर

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस IPL प्लेऑफ से बाहर हो गई है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मुंबई को रविवार को रोमांचक मुकाबले में आखिरी बॉल पर हराया। 20वें ओवर की चौथी गेंद पर भुवनेश्वर का सिक्स मैच का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ।

RCB को आखिरी ओवर में जीत के लिए 15 रन चाहिए थे और उसके 7 विकेट गिर गए थे। राज बावा ने ओवर की तीसरी गेंद पर रोमारियो शोफर्ड को आउट किया। अब मैच में 3 गेंद बाकी थे और RCB जीत से 9 रन दूर थी। मुंबई की जीत तय लग रही थी, तभी भुवनेश्वर ने ओवर की चौथी गेंद पर सिक्स लगाकर बेंगलुरु की उम्मीदों को फिर जिंदा कर दिया। पांचवीं गेंद पर उन्होंने



सिंगल लिया। बेंगलुरु को अब एक गेंद पर जीत के लिए 2 रन चाहिए थे। स्ट्राइक पर रसिख सलाम थे। उन्होंने ओवरॉपिच गेंद को सामने पुश किया और दौड़ पड़े। पहला रन आसानी से



कृणाल पंड्या के विकेट से फंसा मैच

18वें ओवर तक मैच बेंगलुरु के पाले में जाता दिख रहा था। कृणाल पंड्या फिफ्टी बनाकर खेल रहे थे और बेंगलुरु को 13 बॉल पर 18 रनों की जरूरत थी। यहां अल्लाह गजनफर ने अपने ओवर की आखिरी बॉल पर कृणाल पंड्या को तिलक वर्मा के हाथों कैच करा दिया। कृणाल ने 73 रन की पारी खेलकर पावरप्ले में 3 विकेट गंवाने वाली बेंगलुरु को इस स्थिति तक पहुंचाया था। पावरप्ले में विराट कोहली 0, पंडिक्कल 12 और पाटीदार 8 रन बनाकर पवेलियन लौट गए थे। यहां से कृणाल पंड्या ने जैकब बेथेल के साथ 55 रन की साझेदारी की।

में पाया गया कि वेल्स गिरने से पहले रसिख क्रीज में पहुंच चुके थे। इस तरह RCB 2 विकेट से जीत गई।

विजय की जीत के बीच ट्रिशा लेकर आई इंसाफ की लहर

सोशल ड्रामा में सूर्या का धांसू एक्शन

नई दिल्ली। सूर्या अभिनीत फिल्म 'करुप्पु' (Karuppu) का ट्रेलर रविवार को रिलीज हुआ, जिसमें एक लंबे समय से लंबित मामले पर आधारित एक्शन से भरपूर कोर्टरूम ड्रामा (Courtroom Drama) को झलक देखने को मिली। RJ बालाजी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में तृषा कृष्णन भी नजर आएंगी; RJ बालाजी ने फिल्म में खलनायक की भूमिका भी निभाई है।

ट्रेलर में सूर्या (Suriya) को दो अलग-अलग जगहों पर दिखाया गया है – एक तरफ कोर्टरूम के अंदर, तो दूसरी तरफ सड़कों पर – जहां वे एक ऐसे केस को अपने हाथ में लेते हैं, जिसे सालों से नजरअंदाज किया जाता रहा है। यह ट्रेलर कानूनी दांव-पेंच को एक्शन दृश्यों



के साथ मिलाकर एक ऐसी कहानी की झलक देता है, जो न्याय और बदले के बीच घूमती है। जैसे-जैसे संघर्ष बढ़ता है, सूर्या का किरदार 'करुप्पु' तस्वीर में आता है। उसे केस को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ दिखाया गया है; वह न केवल कानूनी व्यवस्था का सामना करता है, बल्कि उन लोगों से भी लोहा लेता है जो उसके रास्ते में आते हैं।

न्याय के लिए लड़ेंगी तृषा

ट्रेलर की शुरुआत एक गंभीर माहौल में होती है, जिसमें एक बुजुर्ग व्यक्ति और उसकी पोती को बार-बार कोर्ट बुलाया जाता है; लेकिन जैसे-जैसे उनका केस लंबा खिंचता जाता है, उनके साथ गरिमापूर्ण व्यवहार नहीं किया जाता। तृषा एक वकील की भूमिका निभा रही हैं जो उनकी मदद करने की कोशिश करती हैं, लेकिन उन्हें बचाव पक्ष के वकील के रूप में एक कड़े प्रतिद्वंद्वी का सामना करना पड़ता है, जिसकी भूमिका RJ बालाजी ने निभाई है।

10 दिनों में 75 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार, ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर छापे करोड़ों

दुनियाभर में छाया रितेश का हिस्टोरिकल ड्रामा

नई दिल्ली। रितेश देशमुख, संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, जेनेलिया डिस्ज़ा, विद्या बालन जैसे शानदार कलाकारों से सजी राजा शिवाजी बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। घरेलू के साथ-साथ फिल्म दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है। दर्शकों के अपार प्यार और महाराष्ट्र व उसके बाहर भी लगातार परिवारों की मौजूदगी की बदौलत, राजा शिवाजी बॉक्स ऑफिस (Box Office) पर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखे हुए है। राजा शिवाजी 2026 की एक भारतीय ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा



फिल्म है, जो मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी के जीवन पर आधारित है। इसे रितेश देशमुख ने निर्देशित किया है। फिल्म का निर्माण जेनेलिया देशमुख और ज्योति देशपांडे ने मुंबई फिल्म कंपनी और जियो स्टूडियोज के तहत किया है। फिल्म में संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी, अमोल गुप्ते



राजा शिवाजी बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 10

जियो स्टूडियोज और मुंबई फिल्म कंपनी की, रितेश देशमुख के निर्देशन में बनी फिल्म राजा शिवाजी (Raja Shivaji) ने अपने दूसरे वीकेंड में भी जबरदस्त रफ्तार बनाए रखी और 10 दिनों में 75 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इसकी कुल कमाई 75.10 करोड़ नेट तक पहुंच गई। रिकॉर्ड तोड़ ओपनिंग के साथ इतिहास

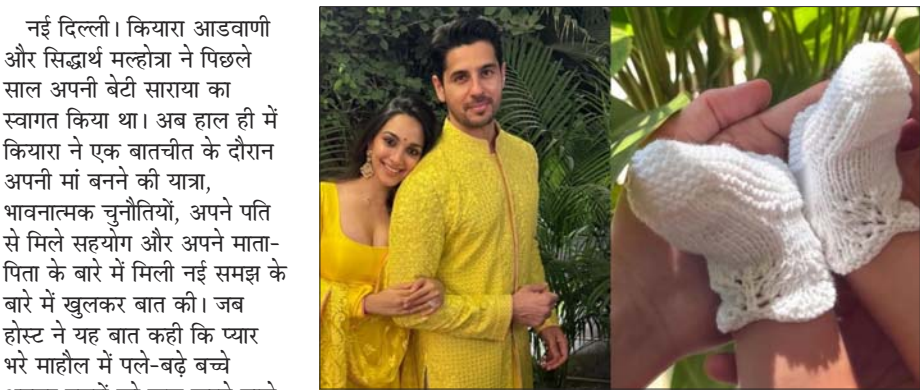
रचने और पहले हफ्ते में अपनी पकड़ बनाए रखने के बाद, इस ऐतिहासिक फिल्म ने शनिवार और रविवार को कमाई में जबरदस्त उछाल देखा। वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने 80 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। सैकैनिक के मुताबिक फिल्म का वर्ल्डवाइड 81 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

और जेनेलिया देशमुख के साथ रितेश देशमुख मुख्य भूमिका में हैं।

वीकेंड पर कृष्णावतारम् की बॉक्स ऑफिस पर चांदी

दुनियाभर में छापे करोड़ों, यूपी में टैक्स फ्री

नई दिल्ली। सिद्धार्थ गुप्ता स्टार कृष्णावतारम् पार्ट 1: द हार्ट (हृदयम्) ने 7 मई को सिनेमाघरों में दस्तक दी। इस डिवाइन फिल्म को हार्दिक गज्जर ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म ने इन चार दिनों में सबसे ज्यादा वीकेंड पर कमाई की है। कृष्णावतारम् में पहले दिन यानी गुरुवार को 50 लाख के साथ ठीकठाक ओपनिंग की थी। दूसरे दिन फिल्म ने थोड़ी बढ़त दिखाई और 1.28 करोड़ रुपये की कमाई की। तीसरे दिन फिल्म की कमाई और बढ़कर 2.70 करोड़ रुपये हो गई। वहीं वीकेंड की बात करें तो सबसे ज्यादा फिल्म ने रविवार को ही कमाई की है। सैकैनिक के मुताबिक, रविवार को Devotional Film ने टोटल 4.19 करोड़ रुपये की नेट कमाई की। इसी के साथ फिल्म का नेट इंडिया कलेक्शन लगभग 8.67 करोड़ की कमाई कर ली है। 'कृष्णावतारम् पार्ट 1' को उत्तर प्रदेश में टैक्स-फ्री कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लोक भवन में फिल्म की एक स्पेशल स्क्रीनिंग में शामिल होने के बाद इस फैसले का ऐलान किया। राज्य सरकार ने निर्देश दिया है कि सभी जिलों में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग आयोजित की जाएं, ताकि बच्चे और युवा भारतीय संस्कृति और विरासत से जुड़ सकें।



उनकी तारीफ और मंजूरी चाहते हैं। लेकिन इस बारे में जागरूक होना भी जरूरी है, क्योंकि कभी-कभी ये आदतें दूसरों को खुश करने की आदत में बदल सकती हैं। मैं नहीं चाहती कि मेरी बेटी दूसरों को खुश करने वाली बने'। कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 15 जुलाई, 2025 को अपनी बेटी, सारायाह मल्होत्रा का स्वागत किया और 28 नवंबर, 2025 को उसका नाम बताया।

माता-पिता से होती है तारीफ की उम्मीद

कियारा ने माना कि स्टारडम हासिल करने के बाद भी, वह आज भी अपने माता-पिता से सराहना की उम्मीद करती हैं। उन्होंने कहा, 'आज भी, दुनिया से मिलने वाली सराहना एक बात है, लेकिन अपने माता-पिता से मिलने वाली सराहना बिल्कुल अलग होती है। उन्होंने मुझ पर कभी कोई दबाव नहीं डाला, लेकिन कहीं न कहीं आप हमेशा उन्हें गव महसूस कराना चाहते हैं'।

नहीं चाहती कि बेटी उनकी तरह बने

कियारा आडवाणी ने माना कि उन्हें उम्मीद है कि सारायाह में उनकी तरह दूसरों को खुश करने की आदत न आए। उन्होंने कहा, 'मैं बिल्कुल नहीं चाहती कि वह मेरी तरह दूसरों को खुश करने वाली बने। लेकिन उससे भी ज्यादा, मैं चाहती हूं कि वह जिज्ञासु, observant, प्यार करने वाली और इतनी कॉन्फिडेंट हो कि वह अपने फैसले खुद ले सके'।



बंकर में छिपे, सत्ता पर पिता खामेनेई जैसी पकड़ नहीं, जनता के विद्रोह का डर सता रहा ईरान के नए सुप्रीम लीडर जिंदा : नेतन्याहू

संघर्ष

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेजाकिन नेतन्याहू ने दावा किया है कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई जिंदा हैं, लेकिन उनकी सत्ता पर पकड़ उनके पिता अली खामेनेई जैसी मजबूत नहीं है।

CBS न्यूज के शो '60 मिनट्स' को दिए इंटरव्यू में नेतन्याहू ने कहा कि मुजतबा किसी बंकर या गुप्त जगह पर छिपे हुए हैं और वहीं से सत्ता संभालने की कोशिश कर रहे हैं। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान इस समय 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद सबसे कमजोर दौर में है। उनके मुताबिक, शासन के भीतर दरारें बढ़ रही हैं और अलग-अलग गुटों



■ इजराइली PM नेतन्याहू ने रविवार को अमेरिकी न्यूज चैनल CBS न्यूज को इंटरव्यू दिया।

में मतभेद सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग संघर्ष जारी रखना चाहते हैं, जबकि दूसरे लोगों को डर है कि इससे अर्थव्यवस्था टूट जाएगी और जनता सड़कों पर उतर सकती है। नेतन्याहू ने कहा कि ईरानी शासन को सबसे ज्यादा डर अपनी ही जनता से है।

अमेरिका-इजराइल के हमले में घायल हुए थे मुजबता

ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के हमले में घायल हुए थे। इसके बाद से वह गुप्त ठिकाने पर रह रहे हैं और डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई के ठिकाने पर हमला किया था। दावा किया गया है कि उसी हमले में मुजतबा खामेनेई घायल हो गए थे। हमले में अयातुल्ला अली खामेनेई, उनकी पत्नी और बेटे की मौत हो गई थी। इसके बाद मुजतबा खामेनेई को नया सुप्रीम लीडर बनाया गया।

बताया गया कि मुजतबा खामेनेई की हालत गंभीर रही है। उनके एक पैर का तीन बार ऑपरेशन किया गया है और अब उन्हें नकली पैर लगाना पड़ सकता है। एक हाथ की भी सर्जरी हुई है और वह धीरे-धीरे ठीक हो रहा है। उनके चेहरे और होंठ बुरी तरह जल गए हैं। इस वजह से उन्हें बोलने में परेशानी हो रही है और आगे प्लास्टिक सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान, जो पेशे से हार्ट सर्जन हैं, और स्वास्थ्य मंत्री भी उनके इलाज में शामिल रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बड़े अधिकारी और सेना के कमांडर उनसे मिलने नहीं जाते, क्योंकि उन्हें डर है कि इजराइल उनके जरिए ठिकाने का पता लगा सकता है।

उन्होंने दावा किया कि इजराइल और अमेरिका की कार्रवाई के बाद लोगों ने शासन के खिलाफ आवाज



■ ईरान में इस साल जनवरी में लोगों ने महंगाई के विरोध में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किए थे। इस दौरान हुई हिंसा में हजारों लोग मारे गए।

उठाई। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ हाल की कार्रवाई में पेट्रोकेमिकल प्लांट, स्टील प्लांट और मिसाइल निर्माण से जुड़े कई ठिकानों को निशाना बनाया गया। उनके मुताबिक, इससे ईरान की अर्थव्यवस्था और सैन्य ताकत दोनों को नुकसान पहुंचा है।

फास्ट न्यूज

कोलंबिया की कोयला खदान में बड़ा धमाका

नई दिल्ली। दक्षिण अमेरिका के मध्य कोलंबिया में एक कोयला खदान में हुए धमाके में चार मजदूरों की मौत हो गई। यह वही इलाका है जहां एक हफ्ते पहले भी ऐसी ही एक घटना हुई थी, जिसमें नौ लोगों की जान चली गई थी। कुंडिनामारका क्षेत्र के गवर्नर जॉर्ज एर्मिलियो रे ने X प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में बताया कि, कुकुनुबा इलाके में लास क्विंटास खदान में फंसे चार खनिकों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

सोना ₹801 गिरकर ₹1.50 लाख पर आया

नई दिल्ली। सोना-चांदी के दाम में आज यानी 11 मई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 801 रुपए गिरकर 1,50,277 पर आ गया है। वहीं 1 किलो चांदी की कीमत 300 रुपए कम होकर 2,55,300 रुपए पर आ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि सालभर तक घर में कोई भी कार्यक्रम हो, हम सोने के गहने नहीं खरीदेंगे। क्योंकि ऐसा करने से विदेशी मुद्रा बचेगी। दरअसल, हमें सोना डॉलर में दूसरे देशों से मंगवाना पड़ता है, डॉलर महंगा होने से इस पर खर्च बढ़ जाता है।

ट्रंप-चिनफिंग की मुलाकात से पहले ताइवान मुद्दे पर यूएस का साफ मैसेज

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की प्रस्तावित मुलाकात से पहले अमेरिका ने ताइवान को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है। वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि ताइवान के मुद्दे पर अमेरिका की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है और आगे भी ऐसा होने की उम्मीद नहीं है।

खुलासा :

ऑपरेशन सिंदूर पर पाकिस्तान बेनकाब

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के फॉरेन एजेंट्स रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत हाल ही में सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों से एक बड़ा खुलासा हुआ है। इन दस्तावेजों के अनुसार, पिछले साल मई 2025 में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने वाशिंगटन में अमेरिकी राजनेताओं, रक्षा अधिकारियों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हितधारकों के साथ बड़े पैमाने पर संपर्क साधा था।

दस्तावेजों से पता चलता है कि 7 और 8 मई को पाकिस्तानी राजदूत के साथ बैठकों के अनुरोध मुख्य रूप से क्षेत्रीय तनाव के संदर्भ में किए गए थे। वहीं, 9 मई को गतिविधियां और तेज हो गईं, जिसमें पाकिस्तानी रक्षा अताशे ब्रिगेडियर इरफान अली की ओर से कई बैठकें



आयोजित करने के प्रयास किए गए। पाकिस्तान ने जिन लोगों से संपर्क किया, उनमें अमेरिकी सैन्य डिगजा ब्रायन मास्ट के साथ-साथ हाउस माइनॉरिटी लीडर हकीम जेफरीज, सीनेट मेजॉरिटी लीडर जॉन थ्यून और हाउस मेजॉरिटी लीडर स्टीव स्केलिस के कार्यालयों से जुड़े कर्मचारी और सलाहकार शामिल थे। रावलपिंडी में 'मरका-ए-हक' की पहली वर्षगांठ के अवसर पर जनरल असीम मुनीर ने दावा किया था कि भारत ने अमेरिकी नेतृत्व के माध्यम से मध्यस्थता की इच्छा जताई थी। मुनीर

वाशिंगटन में पाकिस्तान की कूटनीतिक भागदौड़ एएनआई के अनुसार, 6 मई से 9 मई 2025 के बीच, जब भारत का ऑपरेशन सिंदूर अपने चरम पर था, तब पाकिस्तान ने वाशिंगटन में लगभग 60 बार संपर्क स्थापित किया। इन संपर्कों में अमेरिकी सांसद, कांग्रेस के कर्मचारी, ट्रेजरी विभाग के अधिकारी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और रक्षा क्षेत्र से जुड़े लोग शामिल थे।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने हाल ही में यह दावा किया था कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद युद्धविराम के लिए अमेरिका से मध्यस्थता की गुहार लगाई थी। हालांकि, सामने आए ये नए राजनयिक दस्तावेज पाकिस्तानी सेना प्रमुख के दावों के बिल्कुल विपरीत कहानी बयां कर रहे हैं।

का कहना था कि पाकिस्तान ने व्यापक क्षेत्रीय शांति के हित में इसे स्वीकार किया। हालांकि, जमीनी हकीकत और राजनयिक दस्तावेज कुछ और ही संकेत देते हैं। भारत ने हमेशा यह रुख बनाए रखा है कि यह युद्धविराम दोनों देशों के सैन्य अभियान महानिदेशकों (DGMO) के बीच हॉटलाइन पर हुई बातचीत का परिणाम था, जिसकी शुरुआत है। अधिकारियों ने बताया कि, गाड़ी

खैबरपख्तूनख्वा में खाई में गिरी वैन 11 लोगों की मौत कई घायल



नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के स्वात जिले में स्थित लोकप्रिय पर्यटन स्थल, मालम जब्बा के रास्ते में एक दुर्घटना हो गई। जानकारी के अनुसार, एक वैन के खाई में गिर जाने से 11 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। ये लोग एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। रेस्क्यू टीम के अनुसार, इस घटना में मारे गए लोगों में कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। जिसमें दूल्हे की मां भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि, गाड़ी

पीएम मोदी की अपील के बाद ज्वेलरी शेयर 10% टूटे एक साल सोना न खरीदने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक बयान के बाद आज 11 मई को ज्वेलरी कंपनियों के शेयर 10% तक लुढ़क गए। पीएम मोदी ने हैदराबाद में एक कार्यक्रम के दौरान नागरिकों से अपील की है कि वे एक साल तक सोना न खरीदें। इस बयान के बाद निवेशकों में घबराहट है।

कल्याण ज्वेलर्स और सेन्को गोल्ड के शेयर 10-10% तक टूट गए। वहीं, देश की सबसे बड़ी ज्वेलरी कंपनी टाइटन के शेयर में 7% की गिरावट है। इसके अलावा पीएन गाडगिल 8%, थंगमथिल ज्वेलरी 6% और अन्य छोटे ज्वेलरी शेयरों में भी कमजोरी आई है।

हैदराबाद में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने के लिए ये अपील की है।



पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। सेन्को गोल्ड के सुवर्कर सेन ने CNBC से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री की दिप्पणी के बाद इस बात की संभावना बढ़ गई है कि सरकार सोने पर इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ा सकती है। अगर ऐसा होता है, तो सोने की डिमांड में 10% से 12% तक की कमी आ सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि ज्वेलरी एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंगलवार को प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।



■ तेहरान में एक महिला अमेरिका विरोधी बिलबोर्ड के आगे ईरानी झंडा लहराती हुई। बिलबोर्ड में राष्ट्रपति ट्रम्प की मूर्ति को मुँज स्टूट के रूप में दर्शाया गया है।

ट्रम्प बोले- ईरान का प्रस्ताव मंजूर नहीं

ईरान ने पाकिस्तानी मध्यस्थों के जरिए अमेरिका के नए सीजफायर प्रस्ताव पर अपना जवाब भेजा है। इसमें पूरे क्षेत्र में, खासकर लेबनान में युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करने पर बातचीत की मांग की गई है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने तेहरान के इस रुख को तुरंत खारिज कर दिया और इसे 'गुरी तरह से अस्वीकार्य' बताया, लेकिन इसके बारे में उन्होंने कोई और जानकारी नहीं दी।

समुद्र में छोड़ा जा रहा है। हैम्बर्ग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर नीमा शोकरी ने कहा कि तेल कुओं को अचानक बंद करना

ताइवान के करीब फिर दिखी चीन की घेराबंदी लड़ाकू विमानों और युद्धपोतों ने बढ़ाई हलचल



ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को जानकारी दी है कि द्वीप के चारों ओर चीन की सैन्य गतिविधियों में अचानक तेजी आई है। मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के कई विमानों और युद्धपोतों की आवाजही दर्ज की गई है, जिससे इस क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव एक बार फिर गहरा गया है।

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि सोमवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 6 बजे तक ताइवान के आसपास चीन के 7 सैन्य विमान, 5 नौसैनिक जहाज और 1 आधिकारिक सरकारी जहाज सांटी करते देखे गए। मंत्रालय ने नोट किया कि कुल 7 विमानों में से 5 ने दोनों क्षेत्रों के बीच

तमसा संकेत

tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेप्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।

मो0- 9415799533

R.N.I. NO. 64107/96